



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 3] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 17, 1981 (पौष 27, 1902)

No. 3] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 17, 1981 (PAUSA 27, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विषय-सूची

	पृष्ठ	विषय-सूची	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	15	भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	105
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी प्रकाशनों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	65	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	151
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	—	भाग III—खण्ड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	21
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई, प्रकाशनों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	65	भाग III—खण्ड 2—एकलव्य कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस	523
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*	भाग III—खण्ड 3—मुख्य प्रायुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	21
भाग II—खण्ड 2—विधेयक और विधेयक सभा प्रवर समितियों की रिपोर्टें	*	भाग III—खण्ड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की कोई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	—
भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधिक अन्तर्गत बनाए और जारी			559
		भाग I—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	7

* पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई

CONTENTS

PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	PAGE 15	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	65	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc of Officers issued by the Ministry of Defence	65	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India .	523
PART II—SECTION 1—Act, Ordinances and Regulations.	*	PART III—SECTION 2.—Notification and Notices issued by the Patent Office, Calcutta .	21
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of Select Committee on Bills	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	—
PART II—SECTION 3—SUB-SEC (1) —General Statutory Rules (including orders bye-laws etc of general character) issued by the Ministries of the Government of India		PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	559
		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	7

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्च न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्प से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

गृह मंत्रालय

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी 1981

सं० 11013/5/80 आई० ई० एम०—निम्नलिखित सेवाओं में ग्रेड IV की रिक्तियों को भरने के लिए 1981 में मंत्रालय सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं —

(i) भारतीय अर्थ सेवा, और

(ii) भारतीय सांख्यिकी सेवा,

2. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जान जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में बताई जाएगी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों का आरक्षण सरकार द्वारा तथा निर्धारित रूप में किया जाएगा।

अनुसूचित जातियों/जन जातियों से अभिप्राय निम्नलिखित आदेशों में उल्लिखित जातियों/जन जातियों में से किसी एक में है —

संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश 1950, संविधान (अनुसूचित जन जाति आदेश 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (मध्य राज्य क्षेत्र) आदेश 1951, संविधान (अनुसूचित जन जाति) (मध्य राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951 संविधान (अनुसूचित जन जाति) मध्य राज्य क्षेत्र आदेश, 1951, [अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां सूचिया (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां, आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित] संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां, आदेश, 1956, संविधान (अडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959, [अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित] जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित) संविधान (दादरा और नगर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962, संविधान (दादरा और नगर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश 1964, संविधान (अनुसूचित जन जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोवा, दमन और दीयु) अनुसूचित जातियां आदेश 1968, संविधान (गोवा, दमन और दीयु) अनुसूचित जन जातियां आदेश 1968 संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश 1970 संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश, 1978 और संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1980।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट-I में निर्धारित ढंग से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे

4 उम्मीदवार —

(क) भारत का नागरिक या

(ख) नेपाल की प्रजा या

(ग) भूटान की प्रजा, अवश्य हो, या

(घ) ऐसा निवृत्ति शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो या

(ङ) कोई भारत मूलक व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, चीनिया, उगांडा, रुयुण्ड गणराज्य तंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों, जांबिया, मालावी, जेरे, टंझानिया और विरुण्डा में प्रवेशन कर आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्ग के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पत्रता (एलिजबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए। जिस उम्मीदवार के मामले में पत्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पत्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

5(क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जनवरी, 1981 को 21 वर्ष पूरी हो गई हो किन्तु 28 वर्ष न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1953 से पहले और 1 जनवरी 1960 के बाद नहीं हुआ हो।

(ख) उपर बनाई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में छूट दी जाएगी —

(i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।

(ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवेशन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जन जाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964, और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवेशन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

- (iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्तूबर 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष ।
- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का हो और श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्तूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष ।
- (vi) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मुक्त भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) है और उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र है और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष ।
- (vii) यदि उम्मीदवार बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष ।
- (viii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ।
- (ix) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशान्तिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्षा कामिकों को अधिक से अधिक तीन वर्ष ।
- (x) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशान्तिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कामिकों के लिए जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ।
- (xi) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए सीमा सुरक्षा बल के रक्षा कामिकों के लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष ।
- (xii) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त सीमा सुरक्षा बल के उन रक्षा कामिकों के लिए जो अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ।
- (xiii) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा और तजानिया संयुक्त गणराज्य से प्रव्रजन किया हो या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष ।

ऊपर दी गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती ।

6. भारतीय अर्थ सेवा के लिए उम्मीदवार के पास केन्द्र या राज्य विधान मंडल के अधिनियम द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम 1956 द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान

आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य किसी अन्य शिक्षा संस्थाओं की अर्थशास्त्र या सांख्यिकी विषय सहित डिग्री होनी चाहिए और भारतीय सांख्यिकी सेवा के लिए उम्मीदवारों के पास सांख्यिकी या गणित या अर्थशास्त्र विषय सहित डिग्री अथवा उसके समकक्ष योग्यता होनी चाहिए ।

टिप्पणी I:—यदि उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है किन्तु अभी उसे परीक्षा परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन कर सकता है । जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो, वह भी आवेदन कर सकता है । यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हो तो उन्हें इस परीक्षा में बैठने दिया जाएगा । परन्तु परीक्षा में बैठने की अनुमति अनन्तित मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 30 सितम्बर, 1981 तक प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है ।

टिप्पणी II:—विशेष परिस्थितियों में, मध्य लोक सेवा आयोग द्वारा ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश के योग्य माना जा सकता है जिसके पास पूर्णतः योग्यताओं में से कोई भी योग्यता न हो बशर्ते कि उस उम्मीदवार ने अन्य संस्थाओं द्वारा सञ्चालित कोई ऐसी परीक्षा उत्तीर्ण की हो जिसके स्तर का देखते हुए आयोग उसको परीक्षा में प्रवेश देना उचित समझे ।

टिप्पणी III:—यदि कोई उम्मीदवार अन्यथा अर्हता प्राप्त हो, किन्तु उसने किसी विदेशी विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त की हो तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और आयोग यदि उचित समझे तो उसे परीक्षा में प्रवेश दे सकता है ।

7 उम्मीदवारों को आयोग के नाटिस के पैरा 6 में निर्धारित फीस अथवा देनी होगी ।

सभी उम्मीदवार जो सरकारी नौकरी में आकस्मिक या वैतनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैनियम में या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैनियम में काम कर रहे हैं उन्हें यह परिचयन (मंडरेटिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप में अपने कार्यालय विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है ।

9 परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा ।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट ऑफ एडमिशन) न हो ।

11 जिस उम्मीदवार ने

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया हो, अथवा
- (ii) नाम खोल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा
- (iv) जाली प्रलेख या ऐसे प्रलेख प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों में फेरबदल किया गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में उम्मीदवारी के संबंध में किन्हीं अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा

- (vii) परीक्षा के समय अनुसूचित जातियों का प्रयोग किया हो, अथवा
- (viii) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा में या अप्रामाण्य की हों, अथवा
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो, अथवा
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, अथवा
- (xi) पूर्वोक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने या करने के लिए अव्यभिचित करने का प्रयास किया हो, जैसी भी स्थिति हो, तो उस पर आपराधिक अभियोग (अभिमान प्रसीकृषण) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे —

- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए आयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा
- (ख) उसे स्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए
- (i) आयोग द्वारा भी जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन में
- (ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी में अपवर्जन किया जा सकता है, और
- (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है।
- विन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक
- (i) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित श्रव्या-वेदन, जो यह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और
- (ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत श्रव्यावेदन पर, यदि कोई हो विचार न कर लिया गया हो।

12 जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अंशक अंक प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने निर्णय से निर्दिष्ट करे तो उसे आयोग व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग के मतानुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवार इन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकेंगे तो आयोग द्वारा स्तर में ढील देकर अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है।

13 परीक्षा के बाद आयोग उम्मीदवारों के द्वारा अंतिम रूप में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर, योग्यता क्रम से उनकी सूची बनाएगा और उसी क्रम में उन उम्मीदवारों में से जितने लोगों को आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा उनकी इन रिक्तियों पर नियुक्ति करने के लिए अनुमति दी जाएगी। उक्त परीक्षा के परिणाम के आधार पर जितनी आरक्षित रिक्तियों को भरने का निर्णय किया जाता है वे नियुक्तियां उनको देखकर होंगी।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों

अथवा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवार नहीं लिए जा सकते हों तो उनके आरक्षित कोटा में कमी को पूरा करने के लिए आयोग द्वांरा स्तर में छूट देकर, चाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनको कोई भी स्थान क्यों न हो, नियुक्ति के लिए उनकी अनुमति दी जा सकेगी, बशर्ते कि वे उम्मीदवार इस सेवा पर नियुक्ति के उपयुक्त हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार की परीक्षा फल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षा फल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पत्राचार नहीं करेगा।

15. यदि कोई उम्मीदवार दोनों सेवाओं के लिए प्रतियोगिता परीक्षा में बैठ रहा हो, तो उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन-पत्र देने समय व्यक्त किए गए वरीयता क्रम पर उचित रूप से विचार किया जाएगा।

जिन सेवाओं के लिए उम्मीदवार विचार किए जाने के इच्छुक थे उन सेवाओं के लिए उनके द्वारा वर्णांक दिए गए वरीयता क्रम में परिवर्तन से संबंध किसी भी अनुरोध को तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की "रोजगार समाचार" में प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर सच लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

16. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार अश्वि नया पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार में योग्य है।

17 उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिससे संबंधित सेवा के अधिकारियों के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक न निभा सके। यदि सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी, जैसी भी स्थिति हो, द्वारा निर्धारित डाक्टरों परीक्षा के दौरान किसी उम्मीदवार के बारे में यह पाया जाए कि वह इन श्रेष्ठियों को पूरी नहीं कर सकता है तो नियुक्ति नहीं की जाएगी। व्यक्तिगत परीक्षण के लिए आयोग द्वारा बुलाए गए उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा करायी जा सकती है।

टिप्पणी — कहीं निराश न होना पड़े इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र भेजने से पहले मित्रिय सत्र के स्तर के किसी सरकारी अधिकारी से अपनी जांच करवा लें। नियुक्ति से पहले उम्मीदवार की किस प्रकार की डाक्टरों की जांच होगी और उसके स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए, इसके बारे में इन नियमों के परिशिष्ट III में दिए गए हैं। रक्षा सेवाओं के अनुरोध विभागों द्वारा तथा उसके फलस्वरूप निर्भर हुए सैनिकों को और 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्भर किए गए सीमा सुरक्षा बल के कामियों की सेवाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरों की जांच के स्तर में छूट दी जाएगी।

18 जिस व्यक्ति ने

- (क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया है, जिसका पहल में जीवित पति/पत्नी हो, या
- (ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया है, तो वह उक्त सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वाकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम में छूट दे सकती है।

19 यह परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं के संबंध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट II में दिया गया है।

पी० जी० लेले, उप सचिव

परिशिष्ट I

यह परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार संचालित होगी।

भाग-I, नीचे दिखाए गए विषयों में एक लिखित परीक्षा जिसके पूर्णांक 900 होंगे।

भाग-II आयोग द्वारा जिस उम्मीदवारों को बुलाया जाता है, उनके लिए मौखिक परीक्षा इस [परिशिष्ट की अनुसूची का भाग (क) देखिए] जिसके पूर्णांक 250 होंगे।

2. भाग I के अन्तर्गत लिखित परीक्षा में सम्मिलित विषय प्रत्येक विषय के प्रश्न-पत्र के लिए निर्धारित पूर्णांक और समय का विवरण इस प्रकार है:—

क्रमांक विषय	पूर्णांक	निर्धारित	समय
क. भारतीय अर्थ सेवा			
1. सामान्य अंग्रेजी	150	3 घंटे	
2. सामान्य अध्ययन	150	3 घंटे	
3. सामान्य अर्थशास्त्र I (भाग I और II)	200 भाग-I 1 घंटा भाग-II 2 घंटे	3 घंटे	
4. सामान्य अर्थशास्त्र II (भाग I और II)	200 भाग-I 1 घंटा भाग-II 2 घंटे	3 घंटे	
5. भारतीय अर्थशास्त्र (भाग I और II)	200 भाग-I 1 घंटा भाग-II 2 घंटे	3 घंटे	

ध्यान दें:— यदि कोई उम्मीदवार उपर्युक्त क्रमांक 3 से 5 तक पर दिए गए विषयों के प्रश्न पत्रों की परीक्षा के लिए निर्धारित समय सीमा के अन्दर परीक्षा भवन में नहीं पहुँचता है और उक्त प्रश्न पत्र के भाग-I की परीक्षा में प्रवेश प्राप्त नहीं कर पाता है तो उसे प्रश्न पत्र के भाग-II की परीक्षा में भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

ख. भारतीय सांख्यिकी सेवा

1. सामान्य अंग्रेजी	150	3 घंटे
2. सामान्य अध्ययन	150	3 घंटे
3. सांख्यिकी I	200	3 घंटे
4. सांख्यिकी II	200	3 घंटे
5. सांख्यिकी III	200	3 घंटे

नोट-I सामान्य अंग्रेजी और सामान्य अध्ययन विषयों पर प्रश्न पत्रों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे।

नोट-II भारतीय अर्थ सेवा के उपर्युक्त क्रमांक 3 से 5 के विषयों से संबंधित प्रश्न पत्र के भाग I में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे और इन विषयों के प्रश्न-पत्रों के भाग II में संक्षिप्त उत्तर और निबंध वाले प्रश्न पूछे जाएंगे।

नोट-III भारतीय सांख्यिकी सेवा के क्रमांक 3 और 4 विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे और क्रमांक 5 से संबंधित प्रश्न-पत्र में निबंध वाला प्रश्न पूछा जाएगा।

नोट-IV अन्य विवरण के लिए, जिसमें विभिन्न विषयों के प्रश्न पत्रों में पूछे जाने वाले वस्तुपूरक प्रश्न भी शामिल हैं।

नोट-IV के अनुबंध-II पर उम्मीदवारों की विवरणिका देखिए।

नोट-V उपर्युक्त विषयों के स्तर और पाठ्यक्रम इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग "क" में दिए गए हैं।

3. सभी प्रश्न पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में लिखने चाहिए।

4. उम्मीदवार को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने साथ ले लिखने होंगे। उन्हें किसी भी हस्ताक्षर से उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्द्धक अंक निर्धारित कर सकता है।

6. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक न हो तो उसको मिलने वाले कुल अंकों में से कुछ अंक काट लिए जाएंगे।

7. केवल सही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

8. कम से कम शब्दों में सुव्यवस्थित, प्रभावशाली और सही ढंग से की गई अभिव्यंजना को श्रेय दिया जायगा।

9. प्रश्न-पत्रों में जहाँ आवश्यक हों, ताली और मापों की केवल मेट्रिक प्रणाली से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे।

अनुसूची भाग "क"

सामान्य अंग्रेजी और सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र किसी भारतीय विश्व विद्यालय के ग्रेजुएट से अपेक्षित स्तर के होंगे। अन्य विषयों के प्रश्न-पत्र संबंधित विषयों में किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मास्टर डिग्री परीक्षा के समकक्ष होंगे। उम्मीदवार से यह अपेक्षा की जाती है कि वे मित्रता को तथ्यों के आधार पर स्पष्ट करें और मित्रता की सहायता से समस्याओं का विश्लेषण करें। अर्थ-शास्त्र और सांख्यिकी के क्षेत्र (क्षेत्रों) में उनसे आशा की जाती है कि वे भारतीय समस्याओं से विशेष रूप से परिचित हों।

सामान्य अंग्रेजी

प्रश्न इन प्रकार पूछे जाएंगे जिसमें उम्मीदवारों की अंग्रेजी समझने और अंग्रेजी शब्दों का कुशल प्रयोग करने की क्षमता की जाँच हो सके।

सामान्य अध्ययन

सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र में वर्तमान घटनाक्रम की जानकारी शामिल होगी और कुछ ऐसे मामले भी होंगे जो वैदिक निरीक्षण और अनुभव से संबंधित हैं और जिनको वैज्ञानिक दृष्टिकोण से एक पढ़ा-लिखा आदमी समझ सकता है। इन प्रश्न-पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल से संबंधित प्रश्न भी होंगे जिनका स्तर उच्च विशेष अध्ययन के बिना ही उम्मीदवार दे सके।

सामान्य अर्थशास्त्र-I

उपभोक्ता की भाग का मित्रता, तत्स्थता वक्र विश्लेषण प्रकट अभिमानता अभिगम।

उत्पादन का मित्रता: उत्पादन के तन्त्र उत्पादन कृत्य प्रतिक्रिया के नियम प्रतिक्रिया और उद्योग का मनुलन।

मूल्य का मित्रता: विपणन व्यवस्था के विभिन्न रूपों से मूल्य निर्धारण, मार्केजिनिक उपयोगिता मूल्यन।

वितरण का मित्रता: उत्पादन के तन्त्रों का मूल्यन, भाड़ा मजदूरी ब्याज और लाभ के मित्रता, विनाश वितरण मित्रता, संकलन समस्या आया वितरण में अमानताना।

कल्याण मूलक अर्थशास्त्र: प्राचीन और नवीन कल्याणमूलक अर्थशास्त्र क्षतिपूर्ति नियम, नीतिमूलक ग्रंथियां।

राष्ट्रीय आय की अवधारणा: सामाजिक लेखा, नियोजन का सिद्धांत निपज और मुद्रास्फीति, शास्त्रीय और नवशास्त्रीय अभिगम नियोजन के बारे में कोन्स का मित्रता और कोन्स के बाद की गतिविधियां।

सामान्य अर्थशास्त्र-II

आर्थिक विकास की अवधारणा और विकास मानक-विकास के सिद्धांत: विकासशील देशों के लक्षण और उनकी समस्याएं: जनसंख्या वृद्धि और आर्थिक विकास।

आयोजन: अवधारणा और पद्धतियां व आर्थिक संगठन की पूर्वावधि और समाजवादी प्रणालियों के अंतर्गत आयोजन, मिश्रित अर्थ-व्यवस्था में आयोजन, परिवृद्धात्मक आयोजन क्षेत्रीय आयोजन, निवेश के निर्धारण और प्रविधियों का चयन।

अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र: अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धांत, व्यापार से लाभ, व्यापार की शर्तें, व्यापार नीति, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक विकास व्यापार शुल्क पद्धति के सिद्धांत।

भुगतान संतुलन : भुगतान संतुलन में असमानताएं समंजन की प्रक्रिया विदेश व्यापार, विनियम की वरें आयात और विनियम के नियंत्रक ।

आई० एम० एफ० और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा सुधार, जी० ए० टी०टी०, आर्थिक विकास के लिए अन्तर्राष्ट्रीय महायत्ना, आई० बी० आर० डी० और उनके अनुबन्ध ।

मुद्रा : उनका मूल्य और प्रयोजन, मुद्रा नीति, केन्द्रीय और वाणिज्यिक बैंकों के कार्य ।

राजवित्तीय नीति और उसके लक्ष्य : कराधान और व्यय के सिद्धांत, मार्बजनीक व्यय के लक्ष्य और परिणाम, कराधान का प्रभाव और घटन-घाटे की वित्त व्यवस्था, मार्बजनीक ऋण का सिद्धांत ।

अर्थशास्त्र में सांख्यिकी का प्रयोग, सांख्यिकीय औसत और विचलन के माप मूल्यों और परिमाणों के सूचकांक उनकी सीमाएं ।

भारतीय अर्थशास्त्र

भारतीय अर्थ व्यवस्था के बुनियादी लक्षण—विकास तंत्र—कृषि और उद्योग की भूमिका—विदेश-व्यापार की भूमिका—संतुलित विकास की अवधारणा ।

आयोजन : उद्देश्य, प्राथमिकताएं और समस्याएं—पंचवर्षीय योजनाएं—साधन संपादन की समस्या ।

कृषि : नया कृषि तंत्र—मू. संबंध और मू. सुधार—वेहाती माख—सिंचाई और उर्वरकों का स्थान—कृषि विपणन—कृषि उत्पादों के मूल्य—फलन आयोजन—सामुदायिक विकास—उपाजीविका और ग्रामोद्योग ।

सहकारिता : ग्रामीण विकास में इसका स्थान—भारत में सहकार आंदोलन का विकास ।

उद्योग : औद्योगिक विकास का व्यूह—स्थान निर्देश की समस्या—बहुधा-कार और लघु उद्योगों की समस्याएं—औद्योगिक नीति—औद्योगिक संपदाएं—औद्योगिक वित्त के साधन—विदेशी पूंजी की भूमिका—मार्बजनीक उद्यम : संगठन, प्रबन्ध नियंत्रण और समर्थनीयता, मूल्य नीति ।

श्रम : रोजगारी, बेरोजगारी और कम रोजगारी—औद्योगिक संबंध और श्रम कल्याण—श्रम नीति—मजदूरी, मूल्य और आय नीति

विदेशी व्यापार : भारत के विदेशी व्यापार की प्रमुख विशेषताएं—विदेशी व्यापार नीति—राज्य व्यापार—भुगतान संतुलन ।

मुद्रा और बैंकिंग : भारतीय मुद्रा विपीण का संगठन—वाणिज्यिक बैंकों और भारतीय रिजर्व बैंकों की कार्यप्रणाली—मुद्रा नीति ।

सार्बजनिक वित्त : वित्तीय नीति—मार्बजनीक व्यय की वृद्धि—कराधान नीति—संवर्ध और राज्य सरकारों के लिए राजस्व के प्रमुख स्रोतों—सार्बजनिक ऋण नीति—घाटे की वित्त व्यवस्था—संवर्ध और राज्यों के बीच वित्तीय संबंध ।

सांख्यिकी-I

नोट : केवल वस्तुपरक (बहुविकल्पक) प्रकार के प्रश्न पूछे जाएंगे ।

प्रायिकता (40 प्रतिशत प्रधानता)—माप के सिद्धांत के तत्त्व—प्रसिद्ध परिभाषाएं और स्वयं मिश्र अभिगम—प्रतिदर्श अवकाश—संकुल और संकलित प्रायिकता के नियम—घटनाओं में से घटनाओं की प्रायिकता—प्रतिबंधित प्रायिकता—वेयर्स का प्रमेय—संयोगिका वितरण—विरल और अविरल—वितरण कार्य—मानक प्रायिकता वितरण—बर्नौलीन समरूप, द्विपदीय, पाइसन, ज्यामितीय, आयत, छातीय सामान्य, काष्ठी पराज्याह मित्तीय, बहुपदीय, लाप्लेस, ऋणद्विपीय, बीटा, गामा, लघु-सामान्य तथा संकलित पाइसन वितरण—अभिन्न वितरण में प्रायिकता में और प्रायिकता एक के साथ और मध्य वर्ग में—आधूर्णन और सजायक—गणितीय अपेक्षा और प्रतिबन्ध अपेक्षा—लक्षणात्मक फलन और आधूर्ण तथा प्रायिकता जनक फलन—विलोम विलक्षणता और मातृत्व सिद्धांत—टेकेवाइचक और कालमोगोरोव असमानताएं—वृद्ध संस्था नियम और स्वतन्त्र विचरणों के लिए केन्द्रीय सीमा सिद्धांत ।

सांख्यिकी पद्धतियां (45 प्रतिशत प्रधानता)

नमूनों का संग्रह : संकलन और प्रस्तुतीकरण—चार्ट, तालिकाएं और हिस्टोग्राम—आवृत्ति वितरण—निर्देशन विक्षेपण और विषमता का

माप : विचर और बहुचर तत्त्व—साहचर्य और आसंगे—वक्र संयोजन और सांख्यिक बहुपद—विचर वितरण—विचर सामान्य वितरण—समाश्रय रेखीय बहुपदीय—मह संबंध गुणांक का वितरण—आणिता और बहुल महसंबंध अन्तर्गति महसंबंध—महसंबंध अनुपात ।

मानक त्रुटियां और बृहत् प्रतिदर्श—परीक्षण प्रतिदर्श वितरण—X'S t, Chi-वर्ग और 'एफ' इन पर आधारित प्रमुखता परीक्षण गैर-परामित्ती परीक्षण—माइम मोडियन, रन, विकलाकन, मनविटनी चाल्ड वुल्कोविच आदि वरीयता क्रम सांख्यिकी—अल्पमन, अधिकतम रेंज, और मोडियम ।

आंकड़ों का विश्लेषण (15 प्रतिशत प्रधानता)

लाग रेंज, न्युटन-ग्रगरी मून्टन (विभाजित घातर) गाम और स्टर्लिंग पर प्रचलित अन्तर्वेशन सूत्र (शेष संभावना सहित) यूलर—मक्सारिन का संकलन सूत्र—विलोम अन्तर्वेशन—आंकड़ों का समाकलन और अवकलन—प्रथमगुणांक का विभेद समीकरण—स्थिर गुणकों के साथ एक चातीय विभेद समीकरण ।

सांख्यिकी-II

नोट : केवल वस्तुपरक (बहु विकल्प) प्रकार के प्रश्न पूछे जाएंगे । एकाचातीय प्रतिमान (25 प्रतिशत प्रधानता) ।

एक चातीय आकलन का सिद्धांत—गास मार्कफ प्रतिष्ठापन—कनिष्ठ वर्ग आकलन—जी-विलोम का प्रयोग—एक तरफा और दो तरफा बर्गीकृत तत्त्व का विश्लेषण—निश्चित, मिश्रित और यादृच्छिक प्रभाव वाले प्रतिमान—समाश्रयण गुणकों के लिये परीक्षण—आकलन (25 प्रतिशत प्रधानता) ।

अच्छे आकलन के लक्षण—अत्यधिक संभावना, कनिष्ठ बी० वर्ग आच्छे और कनिष्ठ वर्गों की आकलन पद्धतियां—अत्यधिक संभावना आकलन—केसर राव समानता—सट्टाचार्य परिसीमाएं—पर्याप्त आकलन—गुणन शब्द प्रमेय—संपूर्ण आंकड़े—राव—ब्लैकबेल प्रमेय—विश्राम अन्तराल आकलन—एटलम विश्राम परिसीमाएं ।

परिकल्पना परीक्षण (25 प्रतिशत प्रधानता)

सरल और जटिल परिकल्पना—दो प्रकार की त्रुटियां—क्रांतिक क्षेत्र—विभिन्न प्रकार के क्रांतिक क्षेत्र और सरल क्षेत्र—धातु फलन—अत्यन्त प्रभाव-शाली और समान रूप से अत्यन्त प्रभावशाली परीक्षण—नेमन, पीयरसन आधारभूत लमा—असंभव परीक्षण—स्थानीय लाक परीक्षण—संभावना अनुपात परीक्षण—बार्ब का SPZT-OC और ASN फलन—निर्णय के प्राथमिक तत्त्व और खेल मिश्रित —

बहुचर विश्लेषण (25 प्रतिशत प्रधानता)

बहुचर सामान्य वितरण—माध्य प्रसारक का आकलन और सहकारित व्यूह—होटलिंग का T2 स्थितिक—महलनाबिस का D2 स्थितिक—बहुचर सामान्य जन संख्या के प्रतिदर्श में आंशिक और बहुल सहसंबंध गुणांक—विशेष का विचरण, उनका प्रतिकृपात्मक और अर्थ स्वभाव—विकल्प का निकर्ष—विवेचनात्मक फलन—प्रमुख घटक—नियमानुकूल विचर और महसंबंध ।

सांख्यिकी-III

नोट : केवल निबन्ध शैली के प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें सुधीय और जटिल निरूपण आवश्यक न हों ।

[भाग "क" (सब के लिए अनिवार्य)]

प्रतिदर्श प्रविधियां (35 प्रतिशत प्रधानता)

जनगणना बनाम प्रतिदर्श सर्वेक्षण—प्रारम्भिक और विस्तृत प्रतिदर्श सर्वेक्षण—प्रतिस्थापन के साथ या उनके बिना सरल या वृच्छिक प्रतिचयन और प्रतिदर्शी आर्बटन—लागत और विचरण फलन—आकलन की सामान्यता और समाश्रयी पद्धतियां—आकार के समानुपात में प्रविधिता सहित प्रतिचयन—संकुल, वृद्ध, बहुपदी बहुस्तरीय और व्यवस्थित प्रतिचयन—अन्य प्रविधियों उप प्रतिचयन—प्रतिचयनेतर त्रुटियां ।

अर्थ-सांख्यिकी (25 प्रतिशत प्रधानता)

गण्य श्रेणी के अटक—उनके निर्धारण को विधिया—विचरण विनियम पद्धति—यूल, ब्लम्की, प्रभाव—सहस्रवर्ग चित्र—प्रथम और द्वितीय क्रम के स्वयं-समाश्रमयी प्रतिदर्श—समाश्रम चित्र या विश्लेषण—सूच्य और परिमाणों के सूचकांक और उनके मापक गुण—थोक और खुदरा मर्यादों के सूचकांक की रचना—आय वितरण—पैरिटो और हर्गेल वक्र—एवाशता वक्र—राष्ट्र, राज्य का आकलन करने की पद्धतियाँ—खण्डांतर प्रवाह—अन्तर्-सांख्यिकी तालिका

भाग (ख)

(उम्मीदवार निम्नांकित विषयों में से किसी भी विषय पर प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं।)

(i) सांख्यिकीय गुण नियन्त्रण और परिवर्तन अनुसंधान (40 प्रतिशत प्रधानता)

विचरों और गुणों के विषय विभिन्न प्रकार के नियन्त्रक चित्र—गुणों के द्वारा स्वीकृति प्रतिचयन—एकल, द्वंद्व, बहुल और शृंखलात्मक प्रतिचयन योजनाएँ—OC और ASN—फलन—AOQL और ATI की धारणा। विचर के द्वारा स्वीकृति प्रतिचयन—ड्राइ रोमिक और अन्य तालिकाओं के प्रयोग।

परिचालन अनुसंधान का अभिगम—रेखागत कार्ययन्त्र के प्राथमिक स्तर—मिन्लेक्स प्रक्रिया—परिवहन और नियोजन समस्याएँ—इंदात्मकता का नियम—एकल और बहुल आवधिक सूची नियन्त्रण के नमूने—ABC विश्लेषण—प्रतीक्षा रेखा प्रतिदर्श के लक्षण—M/M/1, M/M/C नमूने—ग्राम तन्वी की समस्याएँ—नष्ट या क्षीण होने वाले तथ्यों के प्रतिस्थापन के नमूने।

(ii) जनसांख्यिकी और जनन-मरण आकड़े (40 प्रतिशत प्रधानता)

जीवन-तालिका, उसका निर्माण और लक्षण—मेकहम और गामपटर्स वक्र—राष्ट्रीय जीवन तालिकाएँ—राष्ट्र संघ जीवन तालिकाओं के नमूने—संक्षिप्त जीवन तालिकाएँ—स्थिर और स्थायी जनसंख्या—विभिन्न जन्म गतियाँ कुल प्रजनन गतियाँ—कुल और निवृत्त उत्पादन गतियाँ—विभिन्न मरण गतियाँ—मातृकीकृत मरण गति—आंतरिक और अन्तर्राष्ट्रीय प्रजनन—निवृत्त प्रजनन—अन्तर्राष्ट्रीय और जनगणनोत्तर आकलन—वृद्धि, घाती वक्र समंजन सहित प्रक्षेपण विधियाँ—भारत में दशाब्दीय जनगणना।

(iii) प्रयोग रूप कल्पना और विश्लेषण (40 प्रतिशत प्रधानता)।

प्रयोग रूप कल्पना के नियम—पूर्णरूप से यावृष्टिक बनाए गए यादृष्टिक खंड और रेटिन चौक अभिकल्पों का विन्यास और विश्लेषण—क्रमगुणित प्रयोग और 23 और 33 प्रयोगों में संक्रम—खंड और उपखंड अभिकल्प—संतुलित और अर्ध-संतुलित अरपूर्ण वर्ग अभिकल्पों की रचना और विश्लेषण—सहचारिता का विश्लेषण—लाविकेतर तथ्यों का विश्लेषण—सुस्त और मिश्रित गृह के तथ्यों का विश्लेषण।

(iv) अर्थमिति : (40 प्रतिशत प्रधानता)

उपभोक्ता मांग का विश्लेषण और विश्लेषण—मांग फलन का विशिष्टीकरण और आकलन—मांग की लोच—संरचना और नमूना—0क ल समीकरण शैली में प्राचलों का आकलन—परम्परागत अल्पतम वर्ग, साधारणीकृत अल्पतम वर्ग—विप्रवेयता, क्रमागत सहसंबंध बहुल समरेख्यता—विचर प्रतिदर्श में छुटियाँ—समकालिक समीकरण प्रतिदर्श—रदात्मता, वरीयता क्रम और क्रमण परिस्थितियाँ—परोक्ष अल्पतम वर्ग और दो स्तरीय अल्पतम वर्ग—अल्पकालिक आर्थिक भविष्य वचन।

भाग "ख"**सौख्य परीक्षा**

उम्मीदवारों का साक्षात्कार सुयोग्य और निष्पक्ष विद्वानों के बोर्ड द्वारा किया जाएगा जिनके सामने उम्मीदवार का सार्वगणिक जीवन बसा होगा। साक्षात्कार का उद्देश्य यह है कि इन सेवा के लिये व्यक्ति को दृष्टि में उम्मीदवार उपयुक्त है अथवा नहीं। उम्मीदवारों से आशा की

जायेगी कि वे केवल अपने विद्याध्ययन के विशेष विषयों में ही रुचि-रुचि के साथ रुचि लेंगे जो अपितु उन अटककों में भी रुचि लेंगे जो जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं तथा साधनिक विचारधाराओं और उन नई खोजों में रुचि लें जिनके प्रति एन सुनिश्चित अधिका में जिज्ञासा उत्पन्न होती है।

साक्षात्कार महान शिरह की प्रक्रिया नहीं है अपितु स्वाभाविक निवेदन और प्रयोग-तयुक्त वातावरण की प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के मानसिक गुणों और समस्याओं की समझने की शक्ति को अभिव्यक्त करना है। बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों की मानसिक सतर्कता आलोचनात्मक प्रश्न शक्ति सतुलित निर्णय और मानसिक सतर्कता, सामाजिक संगठन की योग्यता, चारित्रिक ईमानदारी, नेतृत्व की पहल और क्षमता के सूचकांक पर विशेष बल दिया जाएगा।

परिशिष्ट-II

इस परीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है, उनका संक्षिप्त व्योम-

1. जो उम्मीदवार दोनों में से किसी भी सेवा के लिये सफल होंगे उनकी नियुक्ति उस सेवा के ग्रेड IV में परीक्षा के आधार पर की जाएगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी, और इस अवधि को घटाया भी जा सकता है। सफल उम्मीदवारों की परीक्षा की अवधि में भारत सरकार के निर्णयानुसार निर्धारित प्रशिक्षण या पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण तथा परीक्षा पास करनी होगी।

2. यदि सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण सतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्य कुशल की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।

3. परीक्षा की अवधियाँ उसकी बढ़ाई हुई अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के लिये योग्य नहीं है, तो सरकार उसे सेवा मुक्त कर सकती है।

4. यदि सरकार की राय में उम्मीदवार ने सतोषजनक रूप से अपनी परीक्षा अवधि समाप्त कर ली है, और यदि वह स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझा जाए तो उसे स्थायी पदों में मौलिक रिक्तिता उपलब्ध होने पर पकड़ा कर दिया जाएगा।

5. भारतीय अर्थ सेवा और भारतीय सांख्यिकीय सेवा के निर्धारित वेतनमान निम्नलिखित हैं:—

चयन ग्रेड नं० 2000-125/2-2250

(नान फंक्शनल)

ग्रेड-I निदेशक नं० 1800-100-2000

ग्रेड-II सयुक्त निदेशक नं० 1500-60-1800

ग्रेड-III उप निदेशक नं० 1100-50-1600

ग्रेड-IV सहायक निदेशक नं० 700-40-900-द० री०-1100-50-1300

6. उक्त सेवा के अगले ग्रेड-IV में पदोन्नति समय-समय पर यथा संशोधित भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा नियमों के उपबंधों के अनुसार की जायेगी।

भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा के अधिकारियों को केन्द्रीय सरकार के अंतर्गत भारत में कभी भी या भारत के बाहर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जा सकता है अथवा इनको किसी राज्य सरकार या नगर-भारत संगठन में निश्चित अवधि के लिये प्रतिनियुक्ति पर भेजा जा सकता है।

7. दोनों सेवाओं के अधिकारियों की सेवा की शर्तों तथा छुट्टी तथा पेंशन इत्यादि अन्य केन्द्रीय सिविल सेवाओं ग्रुप "क" के सदस्यों पर लागू होने वाले नियमों द्वारा शासित होंगी।

8. भविष्य निधि की शर्तें वही होंगी जो सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित हैं किन्तु ऐसे संशोधनों की शर्त के साथ जो समय-समय पर सरकार द्वारा किए जायें।

परिशिष्ट-III

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिये प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मैडिकल एक्जामिनर्स) के मार्ग-निर्देशन के लिये भी हैं।

भारत सरकार की स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके, उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के लिये स्वस्थ ठहराए जाने के लिये यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्ण काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. भारतीय (एंग्लो इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की माय कद और छाती के घेरे, परस्पर संबंध के बारे में मैडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि यह उम्मीदवारों की परीक्षा में भागीदारी के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझ व्यवहार में लाएँ। यदि वजन, कद और छाती के घेरे में विषमता हो तो जांच के लिये उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए, और छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा—वह अपने जूते उतार देगा और उस माप दण्ड (स्टैण्डर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पाय आपस में जुड़े रहे और उसका वजन मित्राय पैडियों के पावों की उगलियों या किसी और त्रिस्तं पर न पड़े। वह बिना झुकते सीधा खड़ा होगा और उसकी एड़ियाँ, गिड़लियाँ, नितम्ब, और कंधे माप-दण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी टाई नीची रखी जायेगी ताकि सिर का स्तर (वर्टेक्स आफ वी हैड लेवल) हार्जिजेंटल चार (वादी छ) के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती नापने का तरीका इस प्रकार है—उसे इस भांति खड़ा किया जाएगा कि उसमें के पाव जुड़े हों, और उसकी भूआँ सिर से ऊपर उठी हो। फीते को छाती के गिरे हुए तरह लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा अमफल (ओल्डर ब्लैड) के निम्न कोणो (इन्कीगियर ऐंगल्स) में लगा रहे और फीते को छाती के गिरे वे जाने पर उमी आड़े समतल (हार्जिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भूआँ को नीचा किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएँ ताकि फीता अपने स्थान से हट न पाएँ। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा साँस लेने के लिये कहा जाएगा और छाती का अधिक से अधिक फैलाव गौर में नोट किया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89, 86-93 आदि। नाप को रिकार्ड करने समय आधे सेंटीमीटर से कम से कम के भिन्न (फ्रेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

नोट :—अन्तिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार नापने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलोग्राम में रिकार्ड किया जाएगा, आधे किलोग्राम से कम के फ्रेक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

6. (क) उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(ख) चक्षु के बिना नजर (नेकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मैडिकल बोर्ड या अन्य मैडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिपोर्ट किया जावेगा क्योंकि इससे आँख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

(ग) चक्षु के साथ और चक्षु के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा :—

दूर की नजर		नजदीक की नजर	
अच्छी आँख (ठीक की हुई दृष्टि)	खराब आँख	अच्छी आँख (ठीक की हुई दृष्टि)	खराब आँख
6/9 या 6/12	6/9	जे०-I	जे-II

दृष्टि मक्खी अन्य अपेक्षाओं की पूर्ति करता है।

(घ) मायोपिया फंडस के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिए, और उसके परिणाम रिकार्ड किए जाने चाहिए। यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक दशा हो जोकि बहुत सकती है और उम्मीदवार की कार्य कुशलता पर प्रभाव डाल सकती है, तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

(ङ) दृष्टि क्षेत्र : सभी सेवाओं के लिये सन्मुखन विधि (कन्फ्रंटेशन मैथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा अमस्योपजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को पेरामीटर पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(च) रतौधी (नाइट ब्लाइन्डनेस) —साधारणतया रतौधी दो प्रकार की होती है, (1) विटामिन "ए" की कमी होने के कारण और (2) टीना के शारीरिक रोग के कारण जिसकी ग्राम वजह रेटीनोटिस पिगमेंटोसा होती है। उपर्युक्त (1) में फंडस की स्थिति प्रामाण्य होती है, साधारणतया छोटी आयु वाले व्यक्तियों में और कम खुराक पाने वाले व्यक्तियों में दिखाई देती है और अधिक मात्रा में विटामिन "ए" के खाने से ठीक हो जाती है। ऊपर बताई गई (2) की स्थिति में फंडस प्रायः होती है और अधिकांश मामलों में केवल फंडस की परीक्षा से ही स्थिति का पता चल जाता है। इस रोगी का नेत्री प्रौढ़ होता है और खुराक की कमी से पीड़ित नहीं होता है। सरकार में ऊँची नौकरियों के लिये प्रयत्न करने वाले व्यक्ति इस वर्ग में आते हैं। उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के लिये अन्धेरा अनुकूलन परीक्षा से स्थिति का पता चल जाएगा। उपर्युक्त (2) के लिए, विशेषतया जब फंडस न हो तो इलेक्ट्रो रेटीनोग्राफी किए जाने की आवश्यकता होती है, इन दोनों जांचों (अन्धेरा अनुकूलन और रेटीनोग्राफी) में समय अधिक लगता है और विशेष प्रबन्ध और सामान की आवश्यकता होती है। इसलिए साधारण चिकित्सक जांच से इसका पता लगाना संभव नहीं है। इन तकनीकी बातों का ध्यान में रखते हुए मन्त्रालय/विभाग को चाहिए कि वे बतायें कि रतौधी के लिये इन जांचों का करना अनिवार्य है या नहीं। यह इस बात पर निर्भर होगा कि जिन व्यक्तियों को सरकारी नौकरी दी जाने वाली है उनके कार्य की अपेक्षा क्या है और उनकी श्रुती किस तरह की होगी।

(छ) दृष्टि की तीक्ष्णता में भिन्न आँख की अवस्थाएँ (आयसुलर कंडीशन) :

(i) आँख की उम बीमारी को या बढ़ती हुई अपवर्तन दृष्टि (प्राग्रैसिव रिफ्रेक्टिव एरर) का, जिसके परिणाम स्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो अयोग्यता का कारण बनना जाना चाहिए।

(ii) भौगपन (स्किवेंट) : तकनीकी सेवाओं में, जहाँ विनेत्री (बाइना-कुलर) दृष्टि का होना अनिवार्य हो, दृष्टि की तीक्ष्णता, निर्धारित स्तर की होने पर भी भौगपन को अयोग्यता का कारण समझना चाहिए। दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भौगपन को शत्रु सेवाओं के लिए अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।

(iii) एक आंख : यदि किसी व्यक्ति की एक ही आंख हो अथवा यदि उसकी एक आंख की दृष्टि ही सामान्य हो और दूसरी आंख की मन्द दृष्टि हो अथवा अप्र सामान्य दृष्टि हो, तो उसका प्रभाव प्रायः यह होता है कि व्यक्ति में गहरा बोध हेतु त्रिविम दृष्टि का प्रभाव होता है। इस प्रकार की दृष्टि कई विधिलेखों के लिए आवश्यक नहीं है। इस प्रकार के व्यक्तियों को चिकित्सा बोर्ड योग्य मानकर अनुशसित कर सकता है बशर्ते कि सामान्य आंख :

- (i) की दूर दृष्टि 6/6 और निजट की दृष्टि जे-I खण्ड लगाकर अथवा उसके बिना हो, बशर्ते कि दूर की दृष्टि के लिए किसी मेरिडियन में त्रि 4 डायोप्टरिज में अधिक न हो।
- (ii) की दृष्टि का पूरा क्षेत्र हो,
- (iii) की सामान्य रंग दृष्टि जहां अपेक्षित हो।

बशर्ते कि बोर्ड को यह समाधान हो जाए कि उम्मीदवार प्रभावीन कार्य विशेष से संबंधित सभी कार्यकलापों का निष्पादन कर सकता है।

(ज) कान्टेक्ट लेस उम्मीदवार की स्वास्थ्य परीक्षा के समय कान्टेक्ट लेस के प्रयोग की भाषा नहीं होगी। यह आवश्यक है कि प्रांथ की जांच करते समय दूर की नजर के लिये टाइप किए हुए अक्षरों का उद्भासन 15 फुट की ऊंचाई के प्रकाश से हो।

7. ब्लड प्रेशर

ब्लड प्रेशर के संबंध में बोर्ड अपने निर्णय में काम लेंगे। नार्मल उच्चतम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि नीचे दी जाती है :—

- (i) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 आयु होता है।
- (ii) 25 वर्ष से ऊपर आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन करने में 110 में आधी आयु जोड़ देने का तरीका निम्न सतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें :—सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० से ऊपर के सिस्टोलिक प्रेशर की ओर 90 एम० एम० से ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संविधमान लेना चाहिए और उम्मीदवार को योग्य या अयोग्य ठहराने के संबंध में अपनी अंतिम राय देने में पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखे। अस्पताल की रिपोर्ट से यह पता लगना चाहिए कि एक्साइटमेंट (एक्साइटमेंट) आवि के कारण ब्लड प्रेशर में वृद्धि थोड़े समय रहती है या उसका कारण कोई कायिक (आर्गनिक) बीमारी है ऐसे सभी केसों में हृदय की एक्स-रे और विद्युत हृदयलेखी (इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफिक) परीक्षाएं और रक्त यूरिया निकास (क्लियरेंस) की जांच भी नेमी रूप से की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका

नियमित पारे वाले दाबांतरमापी (मर्करी मेनोमीटर) किस्म का उपकरण (इन्स्ट्रूमेंट्स) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्तदाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी भुजा शिथिल और आराम से हो। कुछ हार्जिटल स्थिति में रोगी के पांखों पर भुजा को आराम से सहारा दिया जाए। भुजा पर से कंधे तक कपड़े उतार देने चाहिए। कफ में से पूरी हवा निकाल कर बीच की रबड़ को भुजा के अन्तर की ओर रख कर और इसके नीचे किनारे की कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रगड़ बमनी (ब्रेकिंगल आर्टरी) को दबा-दबा कर ढूँढा जाता है और तब इसके ऊपर सीधे-सीधे स्टेथोस्कोप को हल्के से

लगाया जाता है जो कफ के साथ न चरे। कफ में लगभग 200 एम० एम० एच० जी० हवा भर जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। ब्लकी क्रमिक ध्वनि सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पाए का कालम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो ध्वनियां तेज सुनाई पड़ेगी। जिस स्तर पर ये साफ और अछड़ी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई सी लुप्त प्राय हो जायें वह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिये क्षोभकर होता है और इससे रीडिंग गलत हो जाती है। यदि दोबारा पड़ना चाहती जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकालकर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। (कभी कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती है, दाब गिरने पर ये गायब हो जाती है और निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती है)। इस साइलेंट गैप से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में ही किए गए मूत्र की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके अन्य सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के शोथक चिन्हों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोजमेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाए, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाये तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोजमेह अमधुमेही (नान डायबिटिक) हो और बोर्ड केस को मेडिसिन के किसी ऐसे निदिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों, मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टॉलरेम टेस्ट समेत जो भी क्लिनिक या लेबोरेटरी परीक्षा जरूरी समझेगा करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" या "अनफिट" की अन्तिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिये बोर्ड के मामले स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। अधिवधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर से आरोग्यता का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर प्रसूति की तारीख से 6 हफ्ते बाद आशुष्य प्रमाण पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अनिवार्य बातों का प्रेक्षण करना चाहिए :—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों में अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिन्ह है या नहीं। यदि कान की कोई खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (यापरे-शन या हियरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि कान की बीमारी बहने वाली न हो। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्गदर्शन के लिये इस संबंध में निम्नलिखित मार्ग दर्शक जानकारी दी जाती है :

1. एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहरापन, यदि उच्च फ्रीक्वेंसी में बहरापन दूसरा कान सामान्य होगा। 30 डेसीबेल तक हो तो गैर-तकनीकी काम के लिये योग्य।
2. दोनों कानों में बहरापन का प्रत्यक्ष यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच फ्रीक्वेंसी में बहरापन 30 डेसीबेल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिए योग्य।

3. सेन्ट्रल ग्रथवा माजिनल टाइप के टिम-पेनिक मेम्बरेन में छिद्र। (i) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिमपेनिक मेम्बरेन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य। कान की शल्य-चिकित्सा की स्थिति सुधारने में दोनों कानों में माजिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिए गए नियम 4(ii) के अधीन विचार किया जा सकता है।
- (ii) दोनों कानों में माजिनल या एटिक छिद्र होने पर अयोग्य।
- (iii) दोनों कानों में सेन्ट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।
4. कान के एक ओर से/दोनों ओर से (i) किसी एक कान के सामान्य रूप से एक ओर से मस्टायड कैपिटी से मुनाई देना हो, दूसरे कान में सब-नार्मल श्रवण या कान/मस्टायड कैपिटी होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए योग्य।
- (ii) दोनों ओर से मस्टायड कैपिटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य, यदि किसी भी कान की श्रवणता, श्रवणयंत्र लगाकर अथवा बिना लगाए हुए सुधर कर 30 डेसीबल हो जाने पर गैर-तकनीकी कामों के लिए योग्य।
5. बढ़ते रहने वाला कान—आपरेजन किया गया/बिना आपरेजन वाला। तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए अस्थायी रूप से अयोग्य।
6. नासापट की हड्डी सबंधी/बिममनाओं (बोनी डिफॉर्मिटी) सहित अथवा उसमें उससे रहित नाक की जीर्ण प्रवाहक/एलजिक दशा। (i) प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।
- (ii) यदि लक्षणों सहित नासापट अफसरण विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
7. टॉमिक्स और/या स्वर यंत्र (लैरिक्स) की जीर्ण प्रवाहक दशा। (i) टॉमिक्स और/या स्वर यंत्र की जीर्ण प्रवाहक दशा—योग्य
- (ii) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
8. कान, नाक, गले (ई० एन० टी) के हल्के अथवा अपने स्थान पर दुर्बल द्युमर। (i) हल्का द्युमर—अस्थायी रूप से अयोग्य।
- (ii) दुर्बल द्युमर—अयोग्य।
9. आस्टोक्लोरोमिस। श्रवण यंत्र की सहायता से या आपरेजन के बाद श्रवणता 30 डेसीबल के अन्दर होने पर योग्य।
10. कान, नाक अथवा गले के अन्मज्जा दोष। (i) यदि काम काज में बाधक न हो तो योग्य।
- (ii) भारी मात्रा में हकलाहट हो तो अयोग्य।
11. नेजल पोली। अस्थायी रूप से अयोग्य।
- (ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो।
- (ग) उसके दाँव अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर तकनीकी दाँत लगे हैं या नहीं। (अच्छी तरह भरे हुए दाँतों को ठीक समझा जाएगा)।
- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फूलती है या नहीं उसका दिल या फेफड़े ठीक हैं या नहीं।
- (ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।
- (च) उसे रक्चर है या नहीं।
- (छ) उसे हाईड्रोमील, बड़ी हुई बेरिकोमिस, बेरिकाजिशिंग (बेन) या या बबामीर है या नहीं।
- (ज) उसके भ्रमा, हाथी और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी ग्रथियाँ भली-भाँति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं या नहीं।
- (झ) उसे कोई चिरस्थायी खराबी की बीमारी है या नहीं।
- (ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं।
- (ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिनसे कमजोर गठन का पता लगे।
- (ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।
- (ड) उसे कोई सचारी (कम्यूनिकेबल) रोग है या नहीं।
11. दिए और फेफड़ों की किसी ऐसी बिलक्षणता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, सभी मामलों में नैमी रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।
- सरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार के स्वास्थ्य के संबंध में जहाँ कहीं गवहे हों चिकित्सा बोर्ड का अध्यक्ष उम्मीदवार की योग्यता अथवा अयोग्यता का निर्णय किये जाने के प्रश्न पर किसी उपयुक्त अस्पताल के विशेषज्ञ से परामर्श कर सकता है जैसे यदि किसी उम्मीदवार पर मानसिक लुटि अथवा विषयन (एंबरेणन) में पीड़ित होने का संदेह होने में बोर्ड का अध्यक्ष अस्पताल से किसी मनोविकार विज्ञानी/मनोविज्ञानी से परामर्श कर सकता है।
- जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाण पत्र में अवश्य ही नाट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार को अपेक्षित दक्षतापूर्ण इयटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।
12. मेडिकल बोर्ड के निर्णय के विरुद्ध अपील करने वाले उम्मीदवार का भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार ₹० 50/- का अपील शुल्क जमा करना होता है। यह शुल्क केवल उा उम्मीदवारों को वापस मिलेगा जो अपीलनीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा योग्य घोषित किए जायेंगे। जोष दूसरों के मामलों में यह जम्मा कर लिया जाएगा। यदि उम्मीदवार चाहें तो अपने आयोग्य होने के दावे के समर्थन में स्वस्थता प्रमाणपत्र संलग्न कर सकते हैं। उम्मीदवारों को प्रथम स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा भेजे गए निर्णय के 21 के अन्दर अपनी पेश करने चाहिए अथवा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के लिए अपीलनीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा केवल नई दिल्ली में ही होगी और इसका खर्च उम्मीदवारों को ही देना पड़ेगा। दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के संबंध में की जाने वाली यात्राओं के लिये

कोई यात्रा भत्ता या दैनिक भत्ता नहीं दिया जायेगा। अपील को निर्धारित मूल्य के साथ प्राप्त होने पर अपीलवीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा की जान वाली स्वास्थ्य परीक्षा के प्रबन्ध के लिए मन्त्रिमंडल (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जायेगी।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिये निम्नलिखित सूचना दी जाती है :-

भारीरक्त योग्यता (फिटनेस) के लिये अपनाए जाने वाले स्टैंडर्ड के संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवा काल (यदि हा) के लिए उचित गुणांक रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिये योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपवाइंटिंग अधिकारी) को यह तमल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या भारीरक्त बुद्धिमत्ता (बाइली इन्फार्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही संबंध है जितना कि वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अक्षय मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी सादर कर लिया जाए कि जहाँ प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जाती चाहिए जबकि उसमें कोई दोष हा जा केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

बोर्ड में सामान्यतया तीन मुख्य हागे (i) एक कार्य चिकित्सक, (ii) एक शल्य चिकित्सक और (ii) एक नल चिकित्सक। ये सभी यथा-संभव साध्य समान स्तर के हों चाहिए। महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर का बोर्ड के सदस्य के रूप में गठयोजित किया जाएगा।

भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा के उम्मीदवारों को भारत में और भारत से बाहर क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) वरनी होगी। इस प्रकार के किसी उम्मीदवार के मामले में मेडिकल बोर्ड को इस बारे में अपनी राय विशेष रूप से रिकार्ड करनी चाहिए कि उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के योग्य है या नहीं। डाक्टरों बोर्ड की रिपोर्ट को गौपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जबकि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसका अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार का बनाए जा सकने हैं। किन्तु डाक्टरों बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उसका विस्तृत व्यौरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहाँ डाक्टरों बोर्ड का यह विचार हा कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (श्रीघ या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वहाँ डाक्टरों बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किये जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाये तो दूसरे डाक्टरों बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर "अयोग्य" करार दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम 6 महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और आने की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता का सर्वप्रथम प्रश्न बावे है। नियुक्ति के लिए अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अंतिम रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और शीपणा

अपनी मेडिकल परीक्षा में पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अभिमत स्टेट-मेंट देनी चाहिए और उनके साथ लगी हुई शीपणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर

करने चाहिए। नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित शेषावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए —

1 अपना पुरा नाम लिखें—
(साफ अक्षरों में)

2 अपनी आयु और जन्म स्थान बताएं

3 (क) क्या आप अनुसूचित जाति या गोख्वा, गढ़वाली, अममिया, नागालैंड जन जाति आदि में से किसी जाति से संबंधित हैं जिसका अंतर्गत कद दूसरे से कम होता है "हा" या "नहीं" में उत्तर दीजिए। उत्तर "हा" में हो तो उस जाति का नाम बताइए।

(ख) क्या आपको कभी चेचक, रुक्क कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रिया (श्लैड्स) का बुखार या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौर समिटिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है।

अथवा

(ख) दूसरी कोई बीमारी या बुद्धिमत्ता, जिसका कारण जय्या पर भटे रहना पड़ा हा और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है ?

4 आपको चेचक का टीका आखिरी बार कब लगा था ?

5 क्या आपको अधिक काम या दूसरे किसी कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वनेस) हुई।

6 अपने परिवार के सदस्यों में निम्नलिखित व्यौरा है —

यदि पिता जीवित हैं तो उनकी आयु और स्वास्थ्य अवस्था	यदि पिता जीवित हैं तो उनकी आयु और स्वास्थ्य अवस्था	यदि पिता जीवित हैं तो उनकी आयु और स्वास्थ्य अवस्था	यदि पिता जीवित हैं तो उनकी आयु और स्वास्थ्य अवस्था
मृत्यु के समय प्राप्त कितने भाई	मृत्यु के समय प्राप्त कितने भाई	मृत्यु के समय प्राप्त कितने भाई	मृत्यु के समय प्राप्त कितने भाई
आपकी कितनी भाईयो की मृत्यु हुई है, उनकी मृत्यु का कारण	आपकी कितनी भाईयो की मृत्यु हुई है, उनकी मृत्यु का कारण	आपकी कितनी भाईयो की मृत्यु हुई है, उनकी मृत्यु का कारण	आपकी कितनी भाईयो की मृत्यु हुई है, उनकी मृत्यु का कारण

यदि माता जीवित हैं तो उनकी आयु और स्वास्थ्य अवस्था	यदि माता जीवित हैं तो उनकी आयु और स्वास्थ्य अवस्था	यदि माता जीवित हैं तो उनकी आयु और स्वास्थ्य अवस्था	यदि माता जीवित हैं तो उनकी आयु और स्वास्थ्य अवस्था
मृत्यु के समय प्राप्त कितनी भाई	मृत्यु के समय प्राप्त कितनी भाई	मृत्यु के समय प्राप्त कितनी भाई	मृत्यु के समय प्राप्त कितनी भाई
आपकी कितनी भाईयो की मृत्यु हुई है, उनकी मृत्यु का कारण	आपकी कितनी भाईयो की मृत्यु हुई है, उनकी मृत्यु का कारण	आपकी कितनी भाईयो की मृत्यु हुई है, उनकी मृत्यु का कारण	आपकी कितनी भाईयो की मृत्यु हुई है, उनकी मृत्यु का कारण

7 क्या हमके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

8 यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर "हां" में हो तो बताइये कि सेवा/किन सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी ?

9. परीक्षा देने वाला प्राधिकारी कौन था ?

10 कब और कहाँ पर मेडिकल बोर्ड हुआ ?

11 मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो—

में घोषित करना है कि जहाँ तक मेरा विषय है, ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर—

मेरे सामने हस्ताक्षर किए—

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर—

नोट—उत्प्रेक्षित कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जातबूझ कर किसी सूचना को छिपाने में वह नियुक्ति या बैठने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो जाये तो वास्तविक निश्चिन्ता भत्ता (सुपरएनुएशन) पनाउंग या उदात्त (वेचुगटी) के सभी दावों से हाथ धी बैठेगा।

(उम्मीदवार का नाम) की भारीरक्त परीक्षा का मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट।

1. सामान्य विकास—अच्छा—बीछ
का—कम—मोटा
पतला—मोटा
जब जूते उतारकर—
वजन—अत्युत्तम वजन
कब था?—वजन में कोई ह्रास ही मे
हृमा परिवर्तन—
तापमान—
छाती की धेर—

- (1) पूरा सांस खींचने पर—
(2) पूरा सांस निकालने पर—

2. त्वचा—कोई जाहिरा बीमारी

3. नेत्र—

- (1) कोई बीमारी—
(2) रसौंधी—
(3) कलर बिजन का दाघ—
(4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन)—
(5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्जिट)।—
(6) फंक्शन की जांच—

दृष्टि की तीक्ष्णता	चश्मे के बिना	चश्मे में	चश्मे की क्षमता
			गोल बर्तुल एक्सिस
दूर की वज्र	दा० ने०		
	बा० ने०		
पास की वज्र	दा० ने०		
	बा० ने०		
हाइपरमेट्रोपिया (व्यक्त)	दा० ने०		
	बा० ने०		

4. कान : निरीक्षण—सुनना—
बायाँ कान—

बायाँ कान—

5. श्रवण—थाइराइड—

6. दाँतों की हालत—

7. श्वसन तंत्र (स्पिरिटरी सिस्टम)—क्या शारीरिक परीक्षा करने पर गान के अंगों में ने किसी असमानता का पता लगा है? यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा ब्योरा दे ?

8. परिसंचरण तंत्र (सर्कुलेटरी सिस्टम)

- (क) हृदय : कोई आंगिक गति (आंगिक लीजन)—
गति (रेट) :—
खड़े होने पर—
25 बार कुवाए जाने के बाद—
कुशाए जाने के 2 मिनट बाद—

(ख) ब्लड प्रेशर—पिस्टोलिक—
डायास्टोलिक—

9. उदर (पेट) धर—स्पर्श—

महत्ता हर्निया :—

- (क) दबा कर मालूम पड़ता/जिगर—
तिल्ली—गुर्वे—
द्यूमर—
(ख) रक्तार्श—
भगंदर—

10. तांत्रिक तंत्र (नव मिस्टम) तांत्रिका या मानसिक अणकता का संकेत—

11. चालतंत्र (लोकमोटर सिस्टम)

की असमानता—

12. जनन मूत्र तंत्र (जैनिटी यूरिनरी सिस्टम)—हाइड्रोमीन
वरिकोमिल आदि का कोई संकेत ।

मूत्र परीक्षा :—

- (क) कैमा दिखाई पड़ता है ?
(ख) अपेक्षित गुस्करव (स्पेसिफिक ग्रेविटी) ।
(ग) एलबुमैन
(घ) शक्कर
(ङ) कास्ट
(च) कांशिकाएं (सेलम)

13. छाती की एक्ज-रे परीक्षा की रिपोर्ट ।

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिसमें वह इस सेवा की ड्यूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है ।

नोट—महिला उम्मीदवार के मामले में यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह की अवस्थिति अथवा उससे अधिक समय से गर्भिणी है तो उसे अस्वास्थ्य रूप में अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, देखें विनियम 9 ।

15. (i) क्या वह भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा में दक्षता—पूर्वक और निरंतर कार्य करने के लिए सब तरह से योग्य पाया गया है ?

(ii) क्या उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के लिए योग्य है ?

नोट—बोर्ड को अपना जांच परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए :

- (1) योग्य (फिट)
(2) अयोग्य (अनफिट) जिसका कारण—
(3) अस्थायी रूप से अयोग्य, जिसका कारण—

स्थान—अध्यक्ष—
शारीर—सदस्य—
मदस्य—

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर, 1980

आदेश

विषय.—प्रार०-7 संरचना के 166.93 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के लिये पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की स्वीकृति ।

सं० 12012/23/78-प्रोडक्शन—पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम 5 के उप नियम (1) की धारा (1) द्वारा प्रयुक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा नेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग, तेल भवन, देहरादून (जिसको इसके बाद प्रायोग कहा जाएगा)

के आर०-7 अपनटीय के 168.93 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में पेट्रोलियम मिलने की संभावना हेतु एक पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की 25-4-80 में चार वर्ष की अवधि के लिये स्वीकृति देनी है। इसके विवरण इसके साथ संलग्न अनुसूची 'क' में दिये गये हैं।

लाइसेंस की स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों पर है —

(क) अन्वेषण लाइसेंस पेट्रोलियम के संबंध में होगा।

(ख) यदि अन्वेषण कार्य के दौरान कोई खनिज पदार्थ पाये गये तो आयोग पूर्ण ध्यान के साथ उसकी सूचना केन्द्रीय सरकार को देगा।

(ग) स्वत्व शुल्क (रायट) निम्नलिखित दर पर भी आएगी —

(I) समस्त अशोधित तेल तथा कोसिंग हेड कंटेनेट पर 42/- रु० प्रति मीट्रिक टन या ऐसी दर जो समय समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।

(II) प्राकृतिक गैस के संबंध में ये दर केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर निर्धारित दर के अनुसार होंगी।

(III) स्वत्व शुल्क (रायट) की अदायगी, पेट्रोलियम मन्त्रालय, नई दिल्ली के बेलन तथा लेखा अधिकारी को दी जाएगी।

(घ) आयोग लाइसेंस के अनुसरण में प्रत्येक माह के प्रथम 30 दिनों में गत माह से प्राप्त समस्त अशोधित तेल की मात्रा केसिंग हेड कंटेनेट और प्राकृतिक गैस की मात्रा तथा उसका कुल उचित मूल्य दर्शाने वाला एक पूर्ण तथा उचित विवरण केन्द्रीय सरकार को भेजेगा। यह विवरण संलग्न अनुसूची 'ख' में दिये गये प्रपत्र में भरकर देना होगा।

(ङ) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम के नियम 1959 की आवश्यकता के अनुसार आयोग 6000/- रुपये की धनराशि प्रतिभूति के रूप में जमा करेगा।

(च) आयोग प्रतिवर्ष लाइसेंस के संबंध में एक शुल्क का भुगतान करेगा जिसकी संगणना प्रत्येक वर्ग किलोमीटर या उसके किसी अंश का जिसका लाइसेंस में उल्लेख किया गया हो, निम्नलिखित दरों पर की जायेगी।

- 1 लाइसेंस के प्रथम वर्ष के लिये 4 रुपये
- 2 लाइसेंस के द्वितीय वर्ष के लिये 20 रुपये
- 3 लाइसेंस के तृतीय वर्ष के लिये 100 रुपये
- 4 लाइसेंस के चतुर्थ वर्ष के लिये 200 रुपये, और
- 5 लाइसेंस के तदानीकरण के प्रथम और द्वितीय वर्ष के लिये 300 रुपये।

(छ) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम 11 के उपनियम (3) की आवश्यकतानुसार आयोग को अन्वेषण लाइसेंस के किसी क्षेत्र के किसी भाग को छोड़ देने की स्वतंत्रता सरकार को दो माह के नोटिस के बाद होगी।

(ज) आयोग केन्द्रीय सरकार की मांग पर उसको तत्काल तेल तथा प्राकृतिक गैस अन्वेषण के अन्तर्गत पाये गये समस्त खनिज पदार्थों के संबंध में भूवैज्ञानिक आकड़ों के बारे में एक पूर्ण रिपोर्ट गुप्त रूप से देगा तथा हर छ. महीने में निश्चित रूप से केन्द्रीय सरकार को समस्त परिचालन, व्यय तथा अन्वेषण कार्यों के परिणामों के बारे में सूचना देगा।

(झ) आयोग समुद्र की तलहटी और/या उसके धरातल पर आग लगने संबंधी निवारक उपायों की व्यवस्था करेगा तथा आग बुझाने हेतु हर समय के लिये ऐसे उपकरण, सामान तथा साधन बनाये रखेगा और तीसरी पार्टी और/या सरकार को उतना मुआवजा देगा जितना कि आग लगने से हुई हानि के बारे में निर्धारित किया जायेगा।

(ञ) इस अन्वेषण लाइसेंस पर वह क्षेत्र (नियंत्रण द्वारा 14.11) अधिनियम 1948 (1918 का 53) और पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के उपबन्ध लागू होंगे।

(ट) पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस के बारे में आयोग केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित एक जैसा दस्तावेज भर कर देगा जो अपनटीय क्षेत्रों के लिये आवश्यक होगा।

अनुसूची 'क'

इस पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस के अन्तर्गत आर०-7 संरचना का अपनटीय क्षेत्र आता है और वो अक्षांश 17° 55' 12" दक्षिण से 18° 05' 00" उत्तर तक और देशांतर 72° 16' 17" पश्चिम से 72° 26' 22" पूर्व के बीच का है और मानचित्र में कोने के प्वाइंट अर्थात् ए० बी० सी० और डी० को मिलाते हुए चिह्नित किया गया है तथा इसका क्षेत्रफल 166.93 वर्ग किलोमीटर है।

2 यह क्षेत्र जहां पर स्थित है उसके प्वाइंट जिन अक्षांशों और देशांतरों पर पडते हैं तथा उनके बीच की दूरी निम्नलिखित है:—

अक्षाण	वेयरिंग			देशांतर		
	डि०	मि०	से	डि०	मि०	से०
1 प्वाइंट ए है	18	02	40	72	16	17
2 प्वाइंट बी है	18	05	00	72	22	00
3 प्वाइंट सी है	17	57	28	72	25	22
4 प्वाइंट डी है	17	55	12	72	19	30

भूमि पर स्थित तीन प्रमुख स्थानों में दूरी निम्नलिखित है —

अलीबाग—90 किलो मीटर

बम्बई—118 किलो मीटर

रत्नगिरि—152 किलो मीटर

अनुसूची ख

अशोधित तेल, कोसिंग हेड कंटेनेट तथा प्राकृतिक गैस के उत्पादन तथा उसके मूल्य सहित मासिक बितरण

आर०-7 संरचना के लिये पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस

क्षेत्रफल 166.93 वर्ग किलोमीटर

माह तथा वर्ष

क—अशोधित तेल

कुल प्राप्त किलो मीटरों की सं०	अपरिहृत रूप से खोये प्रथम प्राकृतिक जलाशय को लौटाये किलो मीटरों की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित कालम 2 और 3 का प्रस्ताव पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग प्राप्त किलो मीटरों की सं० किये गये मीटरों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4
			5

ख—केमिंग हेड कंडेमेंट

प्राप्त किये गये कुल किलो मीटरों की संख्या	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये गये मीटरों की संख्या	केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये किलो मीटरों की संख्या	कालम 2 और 3 घटाकर प्राप्त किलो मीटरों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

ग—प्राकृतिक गैस

कुल प्राप्त घन मीटरों की संख्या	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये गये घन मीटरों की संख्या	केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये घन मीटरों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त घन मीटरों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

एतद्वारा मैं, श्री _____ सत्यनिष्ठापूर्वक घोषणा एव पुष्टि करता हूँ कि इस विवरण में श्री गई सूचना पूर्णरूपेण सत्य और सही है, उसे सही समझते हुए मैं शुद्ध अन्तःकरण से सत्यनिष्ठा से यह घोषणा करता हूँ।

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से तथा उनके नाम में है।

किरण चड्ढा, अवर सचिव

नागरिक पूर्ति मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर 1980

विषय.—भारतीय विधिक माप विज्ञान संस्थान, रांची के लिये सलाहकार समिति का गठन।

सकल्प

सं० डब्ल्यू० एम०-9(11)/8—भारतीय विधिक माप विज्ञान संस्थान नियम, 1980 के नियम 8 के अनुसरण में केंद्रीय सरकार एतद्वारा सलाहकार समिति का गठन करती है जिसमें निम्नोक्त व्यक्ति होंगे—

- 1 भारत सरकार के सचिव, नागरिक पूर्ति मंत्रालय, नई दिल्ली
- 2 मास्टर, भारत सरकार टक्काल, बंबई
- 3 डा० आर० जी० बाम्बले, मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली।
- 4 भारत सरकार के सचिव, विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय [(विधायी विभाग), नई दिल्ली]
- 5 निदेशक, राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला नई दिल्ली।
- 6 सचिव, प्रसम सरकार कृषि विभाग, दिसपुर
- 7 सचिव, गुजरान सरकार खाद्य व नागरिक आपूर्ति विभाग अहमदाबाद।
- 8 सचिव, हरियाणा सरकार उद्योग विभाग, चण्डीगढ़

- 9 बाट तथा माप नियंत्रक, आंध्र प्रदेश सरकार, हैदराबाद।
- 10 श्री एल० सुखर्जी, बाट तथा माप निरीक्षक बाट तथा माप नियंत्रक रा कायानिय
- 11 श्री एम० श्रीनिवासन, उप महा-निवेशक (मकनीकी), भारतीय मानक संस्था, नई दिल्ली या उनके द्वारा नामित व्यक्ति।
- 12 श्री के० एम० लक्ष्मीनारायण, पब्लिक इन्जिनियरिंग वि० क्लबज्जा।
- 13 डा० बी० शरण प्राक्केश तथा प्रभुष विज्ञान तथा गणित, शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद् नई दिल्ली।
- 14 श्री पी० व० भट्टाचार्य निहार एव हन्साज हेड, वर्कशाप विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली।
- 15 निदेशक, विधिक माप विज्ञान, नागरिक पूर्ति मंत्रालय, नई दिल्ली।
- 16 प्रमिषन, भारतीय विधिक माप विज्ञान संस्थान रांची।

ए० आर० बन्धोपाध्याय, सचिव रांची

शिक्षा और संस्कृति मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर 1980

सं० फा० 18-1(खण्ड)/80-वि० 5—भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के संस्था ज्ञापन पत्र और नियमावली के नियम 3 और 6 के अन्तर्गत श्री ए० एम० गिल, सचिव, समाज कल्याण मंत्रालय को तत्काल से तीन वर्ष की अवधि के लिये भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के अध्यक्ष के रूप में नामित किया जाता है।

किरीट जोशी, शिक्षा मलाहकार

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1980

सं० पी० टी० एच०-4/77—केन्द्रीय सरकार नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) के संकल्प संख्या पी० टी० एच०-4/77, दिनांक 6 मई, 1978 तथा 21 जून, 1978 में राष्ट्रीय हाइड्रो बोर्ड के गठन में निम्नलिखित संशोधन करती है:—

सदस्य:

क्र० सं० 12: “श्री एम० ए० खजाजा” के स्थान पर “प्रो० एन० एम० काबिले” पढ़ें।

क्र० सं० 13: “श्री पवित्र मोहन प्रधान” के स्थान पर “श्री नारायण साहू” पढ़ें।

क्र० सं० 14: “श्री आर० बेंकटारमन” के स्थान पर “श्री एस० आर० ए० एम० अपालानायक” पढ़ें।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रतिलिपि बोर्ड के सदस्यों राष्ट्रपति के सचिव, प्रधानमंत्री का सचिवालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय योजना आयोग, भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों तथा संबंधित राज्य सरकारों को भेजी जायें।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्वसाधारण की सूचना के लिये संकल्प को भारत सरकार के राजपत्र में भी प्रकाशित किया जाए।

बी० बी० महाराज, संयुक्त सचिव

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

संकल्प

सं० हिन्दी/ममिति/80/38/1—रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के दिनांक 29-9-80 के संकल्प सं० हिन्दी/ममिति/80/38/1 के क्रम में निम्नलिखित गैर-सरकारी सदस्यों को रेल मंत्रालय के अधीन गठित रेलवे हिन्दी सलाहकार समिति का सदस्य नामित किया जाता है:—

(क) संसदीय राजभाषा समिति के प्रतिनिधि के रूप में—

1. श्रीमती अजीजा इमाम, संसद सदस्य, राज्य सभा, 37-39, माउथ एवेन्यू, नई दिल्ली।

(ख) गैर-सरकारी सदस्य के रूप में

2. श्री सर्वेन्द्रपति त्रिपाठी, साहित्याचार्य, मयनापुरी, गर्वनीबाग, पटना (बिहार)।

3. डा० रामजी पाण्डेय, गुवरीराय का चौक, छपरा (बिहार)।

4. डा० पाण्डेय आशुतोष, ग्राम-पलकोली-पटखोली, बगहा, पश्चिमी जम्पारण (बिहार)।

5. श्री रामाधर गुरु, प्रबन्ध संपादक, दैनिक सन्मान, कलकत्ता।
6. श्री विनोद कुमार मिश्र, सम्पादक, दैनिक हिन्दुस्तान, नयी दिल्ली।
7. प्रो० रामकिशोर शान्नी, अमेठी मुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश।
8. श्री शत्रुघ्न ठाकुर “दिल” मार्फत श्री अलखराज पाण्डेय, एडमोड पटेल नगर (बिजली बोर्ड कामोनी के पास) पटना, बिहार।
9. श्री प्रफुल्लचन्द्र द्विवेदी, सीवान, बिहार।
10. आचार्य नरेन्द्र पाण्डेय, एम० ए०, 6 कृष्णा मार्केट, लाजपतनगर, नयी दिल्ली-110024।
11. श्री बालशौरि रेड्डी, सम्पादक चन्द्रामाता, मद्रास।
12. श्री जनार्दन राय नागर, उपकुलपति रजस्थान विद्यापीठ उदयपुर।
13. डा० आर० एन० बाजपेयी, रीडर अनाटमी, जी० एम० बी० एम० मेडिकल कॉलेज, कानपुर (उ० प्र०)।
14. प्रो० रत्न चंद ‘धीर’, 29 टैंगोर पार्क, डी० ए० बी० कॉलेज कालोनी, जी० टी० रोड, जालंधर (पंजाब)।

इन सदस्यों के सम्बन्ध में अन्य शर्तें वही होंगी जो 13-3-1980 के संकल्प में उल्लिखित हैं।

आदेश

यह आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति प्रधानमंत्री का्यालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोकसभा तथा राज्यसभा सचिवालय और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेज दी जायें।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्वसाधारण की सूचना के लिये यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

के० बालचन्द्रन, सचिव
रेलवे बोर्ड एवं भारत सरकार के पवन संयुक्त

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली दिनांक 20 दिसम्बर 1980

सं० बी०-28017/1/79-सी० एल० टी०(आर० डब्ल्यू०)—भारत सरकार ने अपनी तारीख 30 मई 1979 की मसौदा अधिसूचना द्वारा राष्ट्रीय श्रम संस्थान का जिसे सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1880 (पंजाब संशोधन) अधिनियम, 1957 के अन्तर्गत समिति के रूप में पंजीकृत किया गया है, गठन निर्धारित किया था, जिसके अध्यक्ष केन्द्रीय श्रम मंत्री थे। उपर्युक्त अधिसूचना में, क्रमांक 3 और 28 की वर्तमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी:—

“3. श्री बी० बी० ड्रेविड,

महामंत्री, इंटक,

श्रम शिविर, देवी ग्रहिल्या मार्ग
इन्दौर-3।

“28. प्रो० एम० जी० रंगा,

सदस्य, लोक सभा,

37, मार्थ एवेन्यू,

नई दिल्ली।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस अधिसूचना को आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

पी० एम० हबीब महम्मद, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND
ADMINISTRATIVE REFORMS)

RULES

New Delhi, the 17th January 1981

No 11013/5/80 IES—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1981 for the purpose of filling vacancies in Grade IV of the following Services are published for general information :—

- (i) The Indian Economic Service, and
- (ii) The Indian Statistical Service

2 The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950, the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950, the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951, the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951 (as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modifications) Order, 1956 the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1956, the State of Himachal Pradesh Act, 1978, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976] the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964 the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order 1968 the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order 1968, the Constitution (Nagaland), Scheduled Tribes Order, 1970) the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Orders, 1978 and the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Orders, 1978

3 The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4 A candidate must be either —

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire, and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5 (a) A candidate for admission to this examination, must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 18 years on 1st January, 1981 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1953 and not later than 1st January, 1960.

411 GI/80

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable —

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March 1971,
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March 1971,
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or a prospective repatriate of India origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964,
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963,
- (viii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963,
- (ix) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof,
- (x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof and
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes
- (xiii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGF LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED

6 A candidate for the Indian Economic Service must have obtained a degree with Economic or Statistics as a subject and a candidate for the Indian Statistical Service must have obtained a degree with Economics or Statistics as a subject or as a subject from any University incorporated by an

Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.

Note I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 30th September 1981.

Note II.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate, who has not any of the foregoing qualifications, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission.

Note III.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign University may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at this discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees, will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

9. The decision of the Commission as of the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or

- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—

- (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
- (ii) by the Central Government from any employment under them; and

- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make on that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for *viva voce*.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for *viva voce* by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for *viva voce* on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes can not be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. In the case of the candidates competing for both the Services, due consideration will be given to the order of preference expressed by a candidate at the time of his application.

No request for alteration in the preferences indicated by candidates in respect of Services for which they desired to be considered, would be entertained unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the results of the written examination in the "Employment News".

16. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the Service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for *viva voce* by the Commission may be required to undergo physical examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix III to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel and Border Security Force Personnel disabled in operations during the Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service(s).

18. No person :

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are stated in Appendix II.

P. G. LELE,
Deputy Secretary.

APPENDIX I

The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I.—Written examination carrying a maximum of 900 marks in the subjects as shown below.

Part II.—Viva voce (vide Part 'B' of the Schedule to this Appendix) of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 250 marks.

2. The subjects of the written examination under Part I, the maximum marks allotted to each subject/paper and the time allowed shall be as follows :—

S. No.	Subject	Maximum Marks	Time allowed
A. Indian Economics Service			
1.	General English	150	3 hrs.
2.	General Studies	150	3 hrs.
3.	General Economics I (Parts I and II)	200 Part I—1 hr. Part II—2 hrs.	} 3 hrs.
4.	General Economics II (Parts I and II)	200 Part I—1 hr. Part II—2 hrs.	
5.	Indian Economics (Parts I and II)	200 Part I—1 hr.) Part II—2 hrs.	} 3 hrs.

NB :—In the case of papers on subjects at S. Nos. 3 to 5 above if a candidate does not reach the Examination Hall within the permissible time limit and is not admitted to the examination in Part I of the paper, he will not be entitled to be admitted to Part II of the Paper.

B. Indian Statistical Service

1.	General English	150	3 hrs.
2.	General Studies	150	3 hrs.
3.	Statistics I	200	3 hrs.
4.	Statistics II	200	3 hrs.
5.	Statistics III	200	3 hrs.

NOTE I.—The papers on the subjects 'General English' and 'General Studies' will consist of objective type questions only.

NOTE II.—Part I of the paper on subjects at S. Nos. 3 to 5 above for the Indian Economic Service will consist of objective type questions only and Part II of the papers on these subjects will consist of short answer and essay type questions.

NOTE III.—The papers on the subjects at S. Nos. 3 and 4 for the Indian Statistical Service will consist of objective type questions only and the paper on the subject at S. No. 5 will consist of essay type questions.

NOTE IV.—For details including sample questions for the papers on the subjects which will consist of objective type questions please see Candidates' Information Manual at Annexure II to the Commission's Notice.

NOTE V.—The standard and syllabi of the subjects mentioned above are given in Part A of the Schedule to this Appendix.

3. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

6. If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account, from the total marks otherwise accruing to him.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words.

9. In the question papers wherever necessary, questions involving the use of Metric System of Weights and Measures only will be set.

SCHEDULE

PART A

The standard of papers in General English and General Studies will be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will be that of the Master's degree examination of an Indian University in the relevant disciplines. The candidates will be expected, to illustrate theory by facts, and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian problems in the field(s) of Economics/Statistics.

GENERAL ENGLISH

The questions will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

GENERAL STUDIES

The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

GENERAL ECONOMICS I

Theory of consumer's demand : Indifference curve analysis, Revealed preference approach.

Theory of production : Factors of production, Production function, Laws of return, Equilibrium of the firm and the industry.

Theory of value : Pricing under various forms of market organisation. Public utility pricing.

Theory of distribution : Pricing of factors of production. Theories of rent, wages, interest and profit. Macro distribution theory. Adding up problem. Inequalities in income distribution.

Welfare-economics : Old and new welfare economics. The compensation principle, policy implications.

Concept of national income. Social accounting.

Theory of employment output and inflation—the classical and neo-classical approaches. Keynesian theory of employment, Post-Keynesian developments.

GENERAL ECONOMICS II

Concept of economics growth and its measurement. Theories of growth.

Characteristics and problems of developing countries. Population growth and economic development.

Planning : Concept and methods. Planning under capitalist and socialistic forms of economic organisation. Planning in a mixed economy. Perspective planning. Regional planning. Investment criteria and choice of techniques.

International economics : Theories of international trade terms from trade. Terms of trade. Trade Policy. International trade and economic development. Theory of tariffs.

Balance of payments. disequilibrium in balance of payments. Mechanism of adjustments. Foreign trade multiplier. Exchange rates. Import and exchange controls.

I.M.F. and international monetary reforms, GATT; International aid for economic growth, I.B.R.D. and its affiliates.

Money : Its value and functions. Monetary policy. Functions of central and commercial banks.

Fiscal policy and its objectives : Theories of taxation and expenditure. Objectives and effects of public expenditure. Effects and incidence of taxation. Deficit financing Theory of public debt.

Use of statistics in economics. Statistical averages and measures of dispersion. Index numbers of prices and quantities—their limitations.

INDIAN ECONOMICS

Basic features of the Indian economy, Development strategy; Role of agriculture and industry; Role of foreign trade. Concept of balanced growth.

Planning : Objectives, priorities and problems. Five year plans. Problem of resource mobilisation.

Agriculture : New agricultural strategy : land relations and land reforms; rural credit; role of irrigation and fertiliser; agricultural marketing. Prices of agricultural produce. Crop planning. Community development. Subsidiary, occupations and rural industries.

Cooperation : its role in rural development. Growth of cooperative movement in India.

Industry : Strategy of industrial development. Problem of location. Problems of large and small scale industries. Industrial policy. Industrial estates. Sources of industrial finance. Role of foreign capital. Public enterprises : Organisation, management control and accountability, price policy.

Labour : Employment, unemployment and under employment. Industrial relations and labour welfare. Labour policy. Wages, prices and incomes policy.

Foreign Trade : Salient features of India's foreign trade. Foreign trade policy. State trading. Balance of payments.

Money and Banking : organisation of the Indian money market. Functioning of the commercial banks and the Reserve bank of India. Monetary policy.

Public Finance : Fiscal Policy; Growth of public expenditure. Tax policy. Main sources of revenue of Union and State Governments. Public debt policy. Deficit financing Union-State financial relations.

STATISTICS I

NOTE :—ONLY OBJECTIVE TYPE (MULTIPLE CHOICE) QUESTIONS WILL BE SET

Probability (40 percent weight).

Elements of measure theory. Classified definition and axiomatic approach. Sample space. Laws of total and compound probability. Probability of m events out of n . Conditional probability. Bayes theorem. Random variables discrete and continuous. Distribution function. Standard probability distributions—Bernoulli, uniform, Binomial, Poisson, geometric, rectangular, exponential, normal, cauchy, hypergeometric, multinomial, Laplace, negative binomial, beta, gamma, lognormal and compound Poisson distribution. Convergence in distribution, in probability, with probability one and in mean square. Moments and cumulants, Mathematical expectation and conditional expectation. Characteristic function and moment and probability generating functions. Inversion, uniqueness and continuity theorems. Tchebycheff's and Kolmogorov's inequalities. Laws of large numbers and central limit theorems for independent variables.

Statistical methods (45 percent weight)

Collection, compilation and presentation of data. Charts, diagrams and histogram. Frequency distribution. Measures of location dispersion and skewness. Vivariate and multivariate data. Association and contingency. Curve fitting and orthogonal polynomials. Vivariate distributions. Vivariate normal distribution. Regression—linear, polynomial. Distribution of the correlation coefficient. Partial and multiple correlation. Intraclass correlation. Correlation ratio.

Standard errors and large sample tests. Sampling distributions of \bar{x} , S^2 , t , chi-square and F ; tests of significance based on them.

Non-parametric tests—sign, median, run, Wilcoxon, Mann-Whitney, Wald-Wolfowitz etc. Rank order statistics—minimum, maximum, range and median.

Numerical Analysis (15 percent weight)

Interpolation formulae (with remainder terms) due to Lagrange, Newton-Gregory, Newton (Divided difference), Gauss and Stirling. Euler Maclaurin's summation formula. Inverse interpolation. Numerical integration and differentiation. Difference equations of the first order. Linear difference equations with constant co-efficients.

STATISTICS II

NOTE :—ONLY OBJECTIVE TYPE (MULTIPLE CHOICE) QUESTIONS WILL BE SET

Linear Models (25 percent weight)

Theory of linear estimation. Gauss-Markoff set up. Least square estimators. Use of g -inverse. Analysis of one-way and two-way classified data—fixed, mixed and random effect models. Tests of regression co-efficients.

Estimation (25 percent weight)

Characteristics of a good estimator. Estimation methods of maximum likelihood, minimum chi-square, moments and least squares. Optimal properties of maximum likelihood estimators. Minimum variance unbiased estimators. Minimum variance bound estimators. Cramer-Rao inequality. Bhattacharya bounds. Sufficient estimator, Factorisation theorem. Complete statistics. Rao-Blackwell theorem. Confidence interval estimation. Optimum confidence bounds.

Hypothesis testing (25 percent weight)

Simple and composite hypotheses. Two kinds of error. Critical region. Different types of critical regions and similar regions. Power function. Most powerful and uniformly most powerful tests. Neyman-Pearson fundamental lemma. Unbiased test. Randomised test. Likelihood ratio test. Wald's SPRT. OC and ASN functions. Elements of decision and game theory.

Multivariate Analysis (25 percent weight)

Multivariate normal distribution. Estimation of mean Vector and covariance matrix. Distribution of Hotelling's T^2 statistic, Mahalanobis's D^2 statistic, partial and multiple correlation coefficients in samples from a multivariate normal distribution.

population. Wishart's distribution, its reproductive and other properties. Wilk's criterion. Discriminant function. Principal components. Canonical variates and correlations.

STATISTICS III

NOTE:—ONLY ESSAY TYPE QUESTIONS, NOT INVOLVING LENGTHY AND COMPLICATED PROOFS, WILL BE SET

PART A (Compulsory for all)

Sampling Techniques (35 percent weight)

Census versus sample survey. Pilot and large scale sample surveys. Simple random sampling with and without replacement. Stratified sampling and sample allocations. Cost and variance functions. Ratio and regression methods of estimation. Sampling with probability proportional to size. Cluster double, multiphase, multistage, and systematic sampling. Interpenetrating sub-sampling. Non-sampling errors.

Economic Statistics (25 percent weight)

Components of time series. Methods of their determination—Variate difference method. Yule-Slutsky effect. Correlogram. Autoregressive models of first and second order. Periodogram analysis. Index numbers of prices and quantities and their relative merits. Construction of index numbers of wholesale and consumer prices. Income distribution—Pareto and Engel curves. Concentration curve. Methods of estimating national income. Inter-sectoral flows. Inter-industry table.

PART B

CANDIDATES WILL BE ALLOWED OPTION OF ANSWERING QUESTIONS ON ANY ONE OF THE FOLLOWING TOPICS

(i) *Statistical Quality Control and Operations Research* (40 percent weight)

Different kinds of control charts for variables and attributes. Acceptance sampling by attributes—Single, double, multiple and sequential sampling plans. OC and ASN functions. Concept of AOKL and ATI. Acceptance sampling by variable—use of Dodge—Romig and other tables.

Operations research approach. Elements of linear programming. Simplex procedure. Transport and assignment problems. Principle of duality. Single and multi-period inventory control models. ABC analysis. Characteristics of a waiting line model. M/M/1, M/M/C models. General simulation problems. Replacement models for items that fail and of items that deteriorate.

(ii) *Demography and Vital Statistics* (40 percent weight)

The life table, its construction and properties. Makeham's and Comperz curves. National life tables. UN model life tables. Abridged life tables. Stable and stationary populations. Different birth rates. Total fertility rate. Gross and net reproduction rates. Different mortality rates. Standardised death rate. Internal and international migration; net migration. International and postcensal estimates. Projection methods including logistic curve fitting. Decennial population censuses in India.

(iii) *Design and Analysis of Experiments* (40 percent weight)

Principles of design of experiments. Layout and analysis of completely randomised, randomised block and latin square designs. Factorial experiments and confounding in 2^n and 3^n experiments. Split-plot and strip-plot designs. Construction and analysis of balanced and partially balanced incomplete block designs. Analysis of covariance. Analysis of non-orthogonal data. Analysis of missing and mixed plot data.

(iv) *Econometrics* (40 percent weight)

Theory and analysis of consumer demand—specification and estimation of demand functions. Demand elasticities. Structure and model. Estimation of parameters in single equation model—classical least squares, generalised least-squares, heteroscedasticity, serial correlation, multicollinearity, errors in variables model. Simultaneous equation models—Identification, rank and order conditions. Indirect least squares and two stage least squares. Short-term economic forecasting.

PART B

Viva Voce.—The candidate will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have before them a record of his career. The object of the interview is to assess his suitability for the Service or Services for which he has competed. The interview is intended to supplement the written examination for testing the general and specialised knowledge and abilities of the candidate. The candidate will be expected to have taken an intelligent interest not only in his subjects of academic study, also in events which are happening around him both within and without his own state or country, as well as in modern current of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well-educated youth.

The technique of the interview is not that of strict cross examination, but of a natural, though directed and purposive conversation, intended to reveal the candidate's mental qualities and his grasp of problems. The Board will pay special attention to assessing the intellectual curiosity, critical powers of assimilation, balance of judgment and alertness of mind, the ability for social cohesion; integrity of character, initiative and capacity for leadership.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the two Services to which recruitment is being made through this examination:

1. Candidates selected for appointment to either of the two Services will be appointed to Grade IV of the Service on probation for a period of two years which may be extended if necessary. During the period of probation, the candidates will be required to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as the Government may determine.

2. If in the opinion of Government the work of conduct of the officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith.

3. On the expiry of the period of probation or of any extension, if the Government are of opinion that a candidate is not fit for the permanent appointment Government may discharge him.

4. On completion of the period of probation to the satisfaction of Government, the candidate shall if considered fit for permanent appointment be confirmed in his appointment subject to the availability of substantive vacancies in permanent posts.

5. Prescribed scales of pay for both the Indian Statistical Service and the Indian Economic Service are as follows:

Selection Grade Rs. 2000—125/2—2250.
(Non-functional)

Grade I—Director Rs. 1800—100—2000.

Grade II—Joint Director Rs. 1500—60—1800.

Grade III—Deputy Director Rs. 1100—50—1600.

Grade IV—Assistant Director Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

6. Promotion to the next Grade of the Service will be made in accordance with the provisions of Indian Economic Service/Indian Statistical Service Rules, as amended from time to time.

An officer belonging to the Indian Statistical Service/Indian Economic Service will be liable to serve anywhere in India or abroad under the Central Government and may be required to serve in any post including any State Government or non-governmental organisation on deputation for a specified period.

7. Conditions of service and leave and pension etc. for officers of the two Services will be governed by the rules applicable to members of other Central Civil Services, Group 'A'.

8. Conditions of Provident are the same as laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

APPENDIX III

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

These regulations are published for the convenience of candidates and to enable them to ascertain the probability of their being of the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners.

The Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together, and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades, behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side, and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84—89, 86—93 etc. In recording the measurements, fractions of less than a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fraction of half a kilogram should not be noted.

6. (a) The candidate's eye-sight will be tested, in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(b) There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses.

Distance vision		Near vision	
Better eye (Corrected vision)	Worse eye	Better eye (Corrected vision)	Worse eye
6/9	6/9		
	or		
6/9	6/12	J.I	J.II

(d) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he should be declared unfit.

(e) *Field of vision*.—The field of vision will be tested by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

(f) *Night Blindness*.—Broadly there are two types of blindness. (1) as a result of vit. A deficiency and 2 as a result of Organic Disease of Retina—a common cause being Retinitis pigmentosa, in (1) the fundus is normal, generally seen in younger age-group and ill-nourished persons, and improves by large doses of Vit. A. in (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is an adult, and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in this category. For both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For (2) specially when fundus is not involved electro-Retinography is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography) are time-consuming and require specialized set-up and equipment, and thus are not possible as a routine test in a medical check-up. Because of these technical consideration it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employee.

(g) *Ocular condition other than visual acuity*.—(i) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered a disqualification.

(ii) *Squint*.—For technical services where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered a disqualification. For other services the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(iii) *One eye*.—If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is embylopic or has subnormal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit such person provided the normal eye has—

(i) 6/6 distant vision and JI near vision or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

(h) *Contact Lenses*.—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

7. Blood Pressure

The board will use its discretion regarding Blood Pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is above 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of the age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 and diastolic over 90 should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic

examination, of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the band to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level of the column at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Some times as the cuff is deflated sounds are heard, at a certain level : they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading.

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate fit subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed:—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist : provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid, a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

- | | |
|--|--|
| (1) Marked or total deafness in one ear other ear being normal. | Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in higher frequency. |
| (2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. | Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibels in speech frequency of 1000 to 4000. |

- | | |
|--|--|
| (3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type. | (i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present Temporarily unfit. Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below. |
| | (ii) Marginal or attic-perforation in both ears—unfit. |
| | (iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit. |
| (4) Ears with mastoid cavity sub-normal hearing on one side/ on both sides. | (i) Either ear normal hearing other ear, Mastoid cavity—Fit for both technical and non-technical jobs. |
| | (ii) Mastoid cavity of both sides—Unfit for technical jobs. Fit for non-technical jobs if, hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid. |
| (5) Persistently discharging ear-operated/ unoperated | Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs. |
| (6) Chronic inflammatory/ allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum. | (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases. |
| | (ii) If deviated nasal septum is present with symptoms—Temporarily unfit. |
| (7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx | (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit. |
| | (ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily Unfit. |
| (8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T. | (i) Benign tumours—Temporarily Unfit. |
| | (ii) Malignant Tumours Unfit. |
| (9) Otosclerosis | If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit. |
| (10) Congenital defect of ear, nose or throat | (i) If not interfering with functions—Fit. |
| | (ii) Stuttering of severe degree—Unfit. |
| (11) Nasal Poly | Temporarily Unfit. |
| (b) that his speech is without impediment; | |
| (c) that his teeth, are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth with be considered as sound); | |
| (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound; | |
| (e) that there is no evidence of any abdominal disease; | |

- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicocele, varicose veins or piles
- (h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

In case of doubt regarding health of a candidate, the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service, e.g., if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist/Psychologist, etc.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The candidates filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 50 in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidate may, if they like, enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeal should be submitted within 21 days of the date of the communication in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidate, otherwise, requests for second medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Boards would be arranged at New Delhi only and no travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Board would be taken by the Ministry of Home Affairs. (Deptt. of Personnel and Administrative Reforms) on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and the rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

The Board should normally consist of three members (i) a physician (ii) a Surgeon and (iii) an Ophthalmologist all of whom should as far as practicable, be of equal status. A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the Indian Economic Service/ Indian Statistical Service are liable for field service in or out of India. In case of such a candidate the Medical Board should specially record their opinion as to his fitness or otherwise for field service. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below :

1. State your name in full (in block letters)

2. State our age and birth place

(a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwali, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race.

3. (a) Have you ever had smallpox, intermittent or any other fever-enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis

OR

(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment ?

4. When were you last vaccinated ?

5. Have you suffered from any form of nervousness due to over work or any other cause ?

**MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS &
FERTILIZERS**

(DEPARTMENT OF PETROLEUM)

New Delhi, the 18th December 1980

ORDER

SUBJECT: Grant of Petroleum Exploration Licence for R-7 Structure area measuring 166.93 sq kms.

No. 12012/8/80-Prod.—In exercise of the powers conferred by clause (i) of sub-rule (1) of rule 5 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959, the Central Government hereby grants to the Oil & Natural Gas Commission, Tel Bhavan, Dehradun (hereinafter referred to as Commission) a Petroleum Exploration Licence to prospect for Petroleum for four year from 25-4-80 in R-7 Structure area (off-shore) area measuring 166.93 sq kms. the particulars of which are given in Schedule 'A' annexed hereto.

The Grant of Licence is subject to the terms and conditions mentioned below.

(a) The Exploration Licence should be in respect of Petroleum.

(b) If any minerals are found during the exploration work, the Commission should bring that to the notice of the Central Government with full particulars thereof.

(c) Royalty at the rates mentioned below shall be charged.

(i) Rs. 42/- per metric tonne or such rates as may be fixed by the Central Government from time to time on all crude oil and casing head condensate.

(ii) In case of natural gas, at such rates as may be fixed by the Central Government from time to time.

The royalty shall be paid to the Pay & Accounts Officer, Department of Petroleum, New Delhi.

(d) The Commission shall, within the first 30 days of every month, furnish to the Central Government, a full proper return showing the quantity and gross value of all crude oil, casing

head condensate and natural gas obtained during the preceding month in pursuance of the licence. The return shall be in the form given in Schedule 'B' annexed hereto.

(e) The Commission shall deposit a sum of Rs. 6000/- as security as required by rule 11 of the PNG Rules, 1959.

(f) The Commission shall pay every year a fee in respect of the licence calculated at the following rates for each square kilometer or part thereof covered by the licence.

(i) Rs. 4/- for the first year of the licence;

(ii) Rs. 20/- for the second year of the licence;

(iii) Rs. 100/- for the third year of the licence;

(iv) Rs. 200/- for the fourth year of the licence;

(v) Rs. 300/- for the first and second year of renewal.

(g) The Commission shall be at liberty to determine the relinquishing of any part of the area covered by the exploration licence by giving not less than two month's notice in writing to the Central Government as required by sub-rule (3) of rule 11 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959.

(h) The Commission shall immediately on demand submit to the Central Government confidentially a full report of the geological data of all the minerals found during the exploration of oil and natural gas and shall submit without fail every six months the results of all operations, boring and exploration to the Central Government.

(i) The Commission shall take preventive measures against the hazard of fire under sea bed and/or on the surface and shall keep such equipment, supplies and means to extinguish the fire at all times and shall pay such compensation to third party and/or Government as may be determined in case of damage due to the fire.

(j) This exploration Licence shall be subject to the provisions of the Oil Fields (Regulation and Development) Act, 1948 (53 of 1948) and the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959.

(k) The Commission shall execute a deed of the Petroleum exploration licence in the form applicable to offshore areas as approved by the Central Government.

The area covered by this Petroleum Exploration Licence falls in R-7 structure offshore area and lies between latitudes 17° 55' 12" South to 18° 05' 03" to North and longitude 72° 16' 17" West to 72° 25' 22" to East and is delineated on the map by the line joining the corner points ABC and D and measures 166.93 sq. kms. in area.

2. The latitudes and longitudes on which the points covering the area fall and the distances between them are as follows:—

	Latitude			Longitude		
	Deg	Min	Sec	Deg	Min	Sec
1. Point A is at	18	02	40	72	16	17
2. Point B is at "	18	05	00	72	22	00
3. Point C is at	17	57	28	72	25	22
4. Point D is at	17	55	12	72	19	30

Approximate distance from three prominent places on land are as follows:—

Alibaug	90 Kms.
Bombay	118 Kms.
Ratnagiri	152 Kms.

SCHEDULE 'B'

Monthly return of crude oil, casing-head condensate and natural gas produced and value thereof.

Petroleum Exploration Licence for R—7 Structure

Area measuring 166.93 sq. kms.

Month and Year

A. Crude Oil

Total No. of Metric Tonnes obtained.	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purpose of petroleum exploration operation approved by the Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	REMARKS
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

B—Casing head condensate

Total number of Metric Tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration approved by Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 & 3	REMARKS
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

C—Natural Gas

Total number of cubic metres obtained	Number of cubic metres unavoidably lost or returned to natural reservoir	Number of Cubic metres used for purposes of petroleum exploration approved by the Central Government	Number of cubic metres obtained less columns 2 & 3	REMARKS
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

I, Shri _____ do hereby solemnly and sincerely declare and affirm that the information in this return is true and correct in every particular and make this solemn declaration conscientiously believing the same to be true.

(Signature)

BY ORDER and in the name of the President of India.

MRS. KIRAN CHADHA, Under Secy.

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES

New Delhi, the 26th December 1980

RESOLUTION

SUBJECT :—*Constitution of Advisory Committee for the Indian Institute of Legal Metrology, Ranchi.*

No. WM-9(II)/80.—In pursuance of rule 8 of the Indian Institute of Legal Metrology Rules, 1980, the Central Government hereby constitutes an Advisory Committee consisting of :—

Chairman

- (1) The Secretary to the Government of India, Ministry of Civil Supplies, New Delhi.

Members

- (2) The Master, India Government Mint, Bombay.
- (3) Dr. R. G. Kamble, Principal Scientific Officer, Department of Science and Technology, New Delhi.
- (4) Secretary to the Government of India, Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Legislative Department), New Delhi.
- (5) The Director, National Physical Laboratory, New Delhi.
- (6) The Secretary, Government of Assam, Agriculture Department, Dispur.
- (7) The Secretary, Government of Gujarat, Food and Civil Supplies Department, Ahmedabad.
- (8) The Secretary, Government of Haryana, Industries Department, Chandigarh.
- (9) The Controller of Weights and Measures, Government of Andhra Pradesh, Hyderabad.

- (10) Shri L. Mukherjee, Inspector of Weights and Measures, Office of the Controller of Weights and Measures, West Bengal, Calcutta.
- (11) Shri S. Srinivasan, Deputy Director General (Technical), Indian Standards Institution, New Delhi.
- (12) Shri K. S. Lakshminarayan, Avery India Limited, New Delhi.
- (13) Dr. B. Sharan, Professor and Head, Department of Education in Science and Mathematics, National Council of Educational Research and Training, New Delhi.
- (14) Shri P. K. Bhattacharya, Reader and Incharge Head, Workshop Department, National Council of Educational Research and Training, New Delhi.

Ex-Officio Member

- (15) The Director of Legal Metrology, Ministry of Civil Supplies, New Delhi.

Ex-officio Convener

- (16) The Principal, Indian Institute of Legal Metrology, Ranchi.

A. R. BANDYOPADHYAY, Jt. Secy.

MINISTRY OF EDUCATION & CULTURE

(DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 20th December 1980

No. F.18-4(Pt.)/80-U.5.—Under Rules 3 and 6 of the Memorandum of Association and Rules of the Indian Council of Social Science Research, New Delhi, Shri A. S. Gill, Secretary, Ministry of Social Welfare, is nominated as the Member

of the Indian Council of Social Science Research for a period of three years with immediate effect.

KIREET JOSHI, Educational Adviser

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (PORTS WING)

New Delhi, the 29th December 1980

RESOLUTION

No. PTH-4/77.—The Central Government hereby makes the following modifications in the composition of the National Harbour Board as constituted in the Ministry of Shipping and Transport (Transport wing) Resolutions No. PTH-4/77, dated the 6th May, 1978 and dated the 21st June, 1978 :—

Members :

- S. No. 12 : Read "Prof. N. M. Kamble", in place of "Shri S. A. Khaja Mohideen".
E. No. 13 : Read "Shri Narayan Sahu", in place of "Shri Pabitra Mohan Pradhan".
S. No. 14 : Read "Shri S. R. A. S. Appalanaidu" in place of "Shri R. Venkataraman".

ORDER

ORDERED that copy of this Resolution be communicated to the members of the Board, Secretary to the President, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Planning Commission, Ministries/Departments of the Government of India and the State Governments concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

B. B. MAHAJAN, Jt. Secy.

MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 24th December 1980

RESOLUTION

No. Hindi/Samiti/80/38/1.—In continuation of Ministry of Railways (Railway Board) resolution No. Hindi/Samiti/80/38/1 dated 29-9-80 the following non-official members are nominated as member of the Railway Hindi Salahkar Samiti constituted under the Ministry of Railways :—

(a) *As a representative of the Parliamentary Committee on Official Languages.*

1. Smt. Aziza Imam, M.P., Rajya Sabha,
37-39, South Avenue, New Delhi.

(b) *As non-official members.*

2. Sh. Sarbendrapati Tripathi, Sahityacharya,
Sadnapuri, Gardanibagh, Patna, Bihar.
3. Dr. Ramji Pandey, Gudrirai-ka-chowk, Chhapra, Bihar.
4. Dr. Pandey Ashutosh, Village Palkoli-Pathkoli,
Bagha, Western Champaran, Bihar.
5. Sh. Ramavtar Gupta, Managing Editor, Sanmarg daily,
Calcutta.

6. Sh. Vinod Kumar Mishra, Editor, Hindustan Daily,
New Delhi.
7. Prof. Ramkishore Shastri, Amethi, Sultanpur (U.P.)
8. Sh. Shatrughan Thakur 'Dil', C/o Sh. Alakhraj Pandey,
Advocate, Patel Nagar (near Electricity Board Colony)
Patna, Bihar.
9. Sh. Praphull Chandra Dwivedi, Siwan, Bihar.
10. Acharya Narendra Pandey, M.A., 6 Krishna Market,
Lajpat Nagar, New Delhi-110024.
11. Sh. Balshori Reddy, Editor, Chandamama, Madras.
12. Sh. Janardan Rai Nagar, Vice-Chancellor,
Rajasthan Vidyapith, Udaipur.
13. Dr. R. N. Bajpai, Reader, Anatomy, G.S.V.M.
Medical College, Kanpur (U.P.).
14. Prof. Ratan Chand Dhir, 29-Tagore Park, D.A.V.
College Colony, G.T. Road, Jullundur (Punjab).

The other conditions concerning these members will be the same as mentioned in resolution dated 13-3-1980.

ORDER

ORDERED that a copy of this resolution be communicated to the Prime Minister's Office, Cabinet Sectt., Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha and Rajya Sabha Sectts. and Ministries and Departments of Govt. of India.

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. BALACHANRAN, Secy., Rly Board &
ex-officio Jt. Secy.

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 20th December 1980

No. V-28017/1/79-CLT(RW).—The Government of India by their Notification of even number dated the 30th May, 1979, had laid down the composition of the National Labour Institute registered as a Society under the Societies Registration Act, 1860 (Punjab Amendment) Act, 1957 with the Union Minister of Labour as its President. In the aforesaid notification, for the existing entries at S. Nos. 3 & 28, the following entries shall be substituted :—

"3 Shri V. V. Dravid,
Vice President-INTUC,
Shram Shibir, Devi Ahiliya Marg,
INDORE 452003.

"28 Prof. N. G. Ranga,
Member, Lok Sabha,
37, North Avenue,
New Delhi.

ORDER

ORDERED that the Notification be published in the Gazette of India for general information.

P. S. HABEEB MOHAMED, Jt. Secy.